■ आषाढ़ शुक्ल - 9 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 334 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 04-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

पधारिए

आध्यात्मिक मंगलमय चातुर्मास प्रवेश

दिनांक : 05.07.2025 शनिवार

प्रात: 6.45 बजे, कोसापेट जैन स्थानक से
(अल्पाहार की व्यवस्था रखी गई है।)
प्रात: 8.00 बजे चातुर्मासिक शोभा यात्रा विशाल जनमेदिनी के साथ
प्रात: 8.51 बजे एएमकेएम के प्रांगण में मंगलमय प्रवेश होगा।
प्रात: 9.00 बजे – मंगल प्रवचन एवं अभिनन्दन

नोट : कार्यक्रम के पश्चात् गौतम प्रसादी की व्यवस्था रखी गई है।

आत्मीय स्नेही बंधुओं,

सप्रेम सादर जयजिनेन्द्र!

हमारे असीम पुण्योदय से चतुर्थ पट्टधर, ध्यान योगी, आचार्य सम्राट 1008 **श्री शिवमुनिजी म.सा.** के आज्ञानुवर्ति राजर्षि तपस्वीरत्न गुरुदेव **श्री सुमतिप्रकाशजी म.सा.**, वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर **डॉ. श्री विशालमुनिजी म.सा.**, उत्तर भारतीय प्रवर्तक **श्री आशीषमुनिजी म.सा.** के सुशिष्य आगम ज्ञाता, वाणी के जादूगर, प्रज्ञा-महर्षि, दक्षिण भास्कर पूज्य गुरुदेव **डॉ. श्री समकितमुनिजी म.सा.**, प्रेरणा कुशल पूज्य **श्री भवांतमुनिजी म.सा.**, गायन कुशल पूज्य **श्री जयवंतमुनिजी म.सा.** आदि ठाणा 3 का गुरु सुमति विशाल चातुर्मास समिति चेन्नई के तत्वावधान में **AMKM** के प्रांगण में चातुर्मास कराने का सौभाग्य हमें प्राप्त हुआ। अतः आप सभी से निवेदन है कि चातुर्मास के पावन अवसर पर आयोजित सभी कार्यक्रमों में समय पर पधारकर जिनवाणी श्रवण, दर्शन, मांगलिक एवं ज्ञान आराधना का लाभ उठावें।

।। वर्षावास के मंगल कार्यक्रम ।।

दिनांक : 10.07.2025 गुरुवार से आत्म जागृति के पावन क्षण

प्रार्थना	प्रवचन	प्रतिक्रमण	रविवारिय
प्रात: 6.30 बजे	प्रात: 9.15 से 10.15 बजे तक	सूर्यास्त के पश्चात्	प्रवचन दोपहर 2.30 से 4.00 बजे तक

प्रत्येक मंगलवार : प्रात: 8.30 से 9.15 बजे - आगम आराधना
प्रत्येक शुक्रवार : प्रात: 10.30 बजे से - पार्श्व पद्मावती एकासन विधि सहित
प्रात: 11.00 बजे से - दक्षिण भारतीय स्वाध्याय संघ के लिए धार्मिक कक्षा
प्रत्येक शनिवार : श्रावक-श्राविकाओं के लिए प्रश्न-मंच
प्रत्येक रविवार : प्रात: 7.30 से 8.30 बजे तक - युवक-युवतियों के लिए स्पेशल कक्षा
प्रात: 10.00 से 11.30 बजे तक - बच्चों के लिए समकित कक्षा

*** चौमुखी जाप ***

दि. 10.07.2025 से
दि. 27.08.2025 तक,
रात्रि 8.15 से 9.15 बजे तक
(श्रावक एवं श्राविकाओं के लिए)

चातुर्मास स्थल : **AMKM जैन मेमोरियल ट्रस्ट**
नं. 86/2, गंगाधीश्वर कोइल दूसरा स्ट्रीट, पुरुषवाक्कम, चेन्नई-84.

पार्किंग की व्यवस्था
SIR M. CT. MC BOYS HR. SEC. SCHOOL
OPP. MSR MAHAL, CHENNAI-84.
यहाँ से कोसापेट जैन भवन जाने के लिए वाहन की व्यवस्था रखी गई है।

निवेदक

गुरु सुमति विशाल चातुर्मास समिति चेन्नई-2025

मार्गदर्शक
मोहनलाल गढ़वाणी, सुगनचंद सकलेचा, धर्मीचंद सिंघवी, मदनलाल गुन्देचा, उत्तमचंद गोठी, धर्मीचंद कोठारी
अभय श्रीश्रीमाल, आनन्दमल छल्लाणी, भीकमचंद लुंकड़, सुरेशचंद लुणावत, सुदर्शन छल्लाणी

चेयरमेन	सह-चेयरमेन	अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	मंत्री	कोषाध्यक्ष
सुनिल खेतपालिया	P. महावीरचंद बोकड़िया	S. चन्द्रप्रकाश तालेड़ा	मीठालाल पगारिया	विनयचंद पावेचा	महावीरचंद कोठारी (IK)

उपाध्यक्ष
अजीतकुमार चोरड़िया, पदमचंद कांकरिया, राकेश राँका, अशोकचंद गेलड़ा
दीपचंद लूणिया, महावीरचंद कातरेला (JC), रमेशचंद गुगलिया, ज्ञानचंद बोकड़िया

सहमंत्री
संतोषकुमार पगारिया, महावीरचंद पगारिया, राजकुमार चोरड़िया, गौतमचंद गुगलिया

सह कोषाध्यक्ष
सुरेन्द्रकुमार बोहरा, दिलीपकुमार मरलेचा, प्रसन्नराज सिंघवी, जेठमल चोरड़िया

KAMAL GRAPHICS 9841253531

सम्पर्क सूत्र : 98410 39141, 99403 96909, 98402 33500, 98411 66527

एअर इंडिया ने दिल्ली-वाशिंगटन उड़ान को विएना में रोका, वापसी की उड़ान भी रद्द की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। दिल्ली से वाशिंगटन के लिए दो जुलाई को उड़ान भरने वाला एअर इंडिया का विमान विएना में ईंधन भरने के लिए निर्धारित पड़ाव के दौरान तकनीकी खराबी आने के कारण अपनी यात्रा पूरी नहीं कर सका। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

इस कारण वाशिंगटन से दिल्ली के लिए निर्धारित इसकी वापसी उड़ान भी रद्द कर दी गई।

एअर इंडिया के बयान के अनुसार, दो जुलाई को दिल्ली से वाशिंगटन डी.सी. जाने वाली उड़ान संख्या एआई103 विएना में ईंधन भरने के लिए पूर्व निर्धारित योजना के तहत रुकी। विमान की नियमित जांच के दौरान, एक विस्तारित रखरखाव कार्य की पहचान की गई, जिसे अगली उड़ान से पहले ठीक करने की आवश्यकता थी और इस प्रकार, इसे पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता थी। इसने कहा कि चूंकि विएना से वाशिंगटन की उड़ान रद्द कर दी गई थी, इसलिए फंसे हुए यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई। एयरलाइन के अनुसार, वीजा-मुक्त प्रवेश के लिए पात्र या वैध 'शेंगेन वीजा' वाले यात्रियों को अगली उपलब्ध उड़ान तक विएना में होटल में ठहराया गया है। बयान के मुताबिक, बगैर'शेंगेन वीजा' वाले यात्रियों के लिए ऑस्ट्रियाई अधिकारियों द्वारा आव्रजन और सुरक्षा मंजूरी के साथ आवास की व्यवस्था की गई, जबकि अन्य यात्रियों के लिए वैकल्पिक उड़ान बुक की गई। एयरलाइन ने कहा कि विएना के रास्ते वाशिंगटन-दिल्ली उड़ान संख्या एआई104 के यात्रियों को दिल्ली के लिए वैकल्पिक उड़ानों में बुकिंग या उन्हें पूर्ण धन वापसी की पेशकश की गई।

पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के बंद होने के कारण, भारत से पश्चिम की ओर जाने वाली उड़ानों को लंबा रास्ता लेना पड़ रहा है, जिसके कारण उन्हें चालक दल की ड्यूटी और आराम अवधि के मानदंडों को पूरा करने के लिए विएना में रुकना पड़ रहा है।

'नौशेरा के शेर' ब्रिगेडियर उस्मान की पुण्यतिथि पर दिल्ली में सेना ने दी श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सेना ने 1947-48 के भारत-पाकिस्तान के युद्ध में शहीद हुए ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान की पुण्यतिथि पर बृहस्पतिवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

शहीद ब्रिगेडियर उस्मान ने नौशेरा के भीषण युद्ध में साहस के साथ आगे बढ़कर एक प्रेरणादायी नेतृत्व किया था, जिससे स्थिति भारतीय सेना के पक्ष में हो गई थी।

उनकी पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया के समीप स्थित कब्रिस्तान में स्थित उनकी कब्र पर पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया। जम्मू कश्मीर में नौशेरा की लड़ाई के दौरान उनकी वीरता के कारण उन्हें 'नौशेरा का शेर' की उपाधि मिली। राष्ट्र के प्रति उनकी सेवाओं के लिए अधिकारी को मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

भारतीय सेना के 'ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स एंड स्ट्रेटेजिक मूवमेंट' महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह और पैराशूट रेजिमेंट के कर्नल ने पुष्पांजलि अर्पित की। यहां एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि युद्ध नायक को सम्मानित करने के लिए सेना प्रमुख की ओर से भी पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम में कई अन्य सेवारत और सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

भारतीय सेना के 'ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स एंड स्ट्रेटेजिक मूवमेंट' महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह और पैराशूट रेजिमेंट के कर्नल ने पुष्पांजलि अर्पित की। यहां एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि युद्ध नायक को सम्मानित करने के लिए सेना प्रमुख की ओर से भी पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम में कई अन्य सेवारत और सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

भारतीय सेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''नौशेरा के शेर ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान ने तीन जुलाई 1948 को भीषण युद्ध में अग्रणी भूमिका निभाई, उनके अदम्य साहस और प्रेरणादायक नेतृत्व ने युद्ध को भारतीय सेना के पक्ष में मोड़ दिया। हम अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।'' सेना ने 16 मार्च 1948 के आदेश अंकित किए गए एक अभिलेखीय दस्तावेज की तस्वीर भी साझा की, जो तत्कालीन 50 (आई) पैरा ब्रिगेड के कमांडर रहे ब्रिगेडियर उस्मान द्वारा जारी किया गया था। अधिकारी ने बताया कि 1947-48 के युद्ध के दौरान जम्मू कश्मीर में झांगर और नौशेरा पर फिर से कब्ज़ा करने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। बहादुर अधिकारी ने तीन जुलाई 1948 को नौशेरा में अपने प्राणों की आहूति दी।

जम्मू-कश्मीर भारत की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में जम्मू-कश्मीर के निरंतर महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि चेनाब पुल, लिथियम की खोज और लैवेंडर की खेती की बैंगनी क्रांति जैसी हाल की महत्वपूर्ण परियोजनाएं क्षेत्र में युवा उद्यमियों को सशक्त बना रही हैं।

कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने कहा, ''जम्मू-कश्मीर भारत की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पहली सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की यात्रा में एक प्रमुख विकास इंजन के रूप में उभरेगा।'' उन्होंने यह टिप्पणी यहां दिल्ली के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और भारतीय वन सेवा (आईएफओएस) के अधिकारियों के लिए आयोजित एक अनौपचारिक कार्यक्रम के दौरान की। उन्होंने 1990 के दशक और 2000 के दशक की शुरुआत में आतंकवाद के कठिन समय को भी याद किया और अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सेवा करने वाले अधिकारियों के साहस की सराहना की।

मंत्री ने अधिकारियों को कठोर पदानुक्रम तोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया तथा बताया कि वह कई अधिकारियों के साथ व्यक्तिगत संपर्क बनाए रखते हैं तथा अक्सर सीधे उनसे संपर्क करते हैं। उन्होंने कहा, ''इससे समय की बचत होती है और काम तेजी से पूरा होता है, खासकर तब जब इसका परिणाम लोगों के कल्याण को प्रभावित करता हो।'' इस मौके पर विभिन्न बैच और सेवाओं के अधिकारियों ने जम्मू-कश्मीर में अपनी सेवा के दिनों को याद किया।

सिंह ने अपने संबोधन में कई अधिकारियों के करियर पर प्रकाश डाला। उन्होंने 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के तुरंत बाद शुरू की गई एक अग्रणी पहल को याद किया - जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों को पिछले वर्षों में विकासात्मक प्रगति का आकलन करने और रिपोर्ट दाखिल करने के लिए अपनी पहली तैनाती वाले जिलों का दोबारा दौरा करने को कहा गया था।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सदस्य सिंह ने कहा, ''इससे सार्वजनिक सेवा के प्रति निरंतरता और व्यक्तिगत जुड़ाव की भावना आई।''

कार्मिक मंत्रालय के एक बयान के अनुसार बातचीत के दौरान अधिकारियों ने खुलकर अपने अनुभव और चिंताएं साझा कीं।

मुंबई में महिला ने लगाई समुद्र में छलांग, पुलिस कांस्टेबल ने बचाई जान

मुंबई/भाषा। मुंबई में मनोवैज्ञानिक समस्याओं से जूझ रही 53 वर्षीय एक महिला ने बांद्रा बैंडस्टैंड पर अरब सागर में छलांग लगा दी, लेकिन एक सतर्क पुलिस कांस्टेबल ने पानी में गोता लगाकर उसे बचा लिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना बुधवार शाम करीब पांच बजे हुई।

एक अधिकारी ने बताया कि बचाए जाने के बाद महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया और उसकी हालत स्थिर है। उन्होंने बताया, कांस्टेबल साईनाथ देवड़े गैलेक्सी अपार्टमेंट में तैनात हैं, जहां बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान रहते हैं। वह बैंडस्टैंड पर गश्त ड्यूटी पर थे। उन्होंने एक महिला को समुद्र में डूबते देखा। वह तुरंत किनारे पर पहुंचे और पानी में कूदकर उसे बचा लिया। अधिकारी ने बताया कि पानी से बाहर निकाले जाने के बाद महिला आधी बेहोशी की हालत में थी और उसे सरकारी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के अनुसार, बांद्रा पश्चिम की निवासी महिला पिछले 20 वर्ष से मनोवैज्ञानिक समस्याओं का इलाज करा रही है। बैंडस्टैंड पर टहलते समय महिला डर गई क्योंकि उसे लगा कि कोई अदृश्य शक्ति उसका पीछा कर रही है और वह समुद्र में कूद गई।

संकट से निपटने के लिए आम किसान, पल्प कंपनियां मिलकर काम करें : आंध्र मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुप्पम (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने आम किसानों और 'पल्प' (गूदा) कंपनियों से मिलकर काम करने का आग्रह किया, खासकर तब जबकि किसान एक बड़े संकट का सामना कर रहे हैं।

कुप्पम में अपने आवास पर अविभाजित चित्तूर जिले के आम किसानों और पल्प कंपनियों और प्रसंस्करण इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में नायडू ने कंपनियों को किसानों से तुरंत आम खरीदने का निर्देश दिया। नायडू ने बयान में कहा, ''सरकार पल्प उद्योग और प्रसंस्करण इकाइयों का भी समर्थन करेगी।'' उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए एक कार्ययोजना तैयार करेगी कि उन्हें भविष्य में इस तरह की समस्याओं का सामना न करना पड़े। अधिकारियों ने नायडू को बताया कि अबतक 1.12 लाख टन आम खरीदा जा चुका है, और 1.7 लाख टन और खरीदे जाने की उम्मीद है। हालांकि, किसानों ने बताया कि ऑर्डर और भंडारण स्थान की कमी के कारण पल्प (गूदा) कंपनियां आम नहीं खरीद रही हैं। बयान के अनुसार, पल्प कंपनियों और निर्यातकों ने कहा कि पाकिस्तान और कुछ अफ्रीकी देशों जैसे बाजारों में आयात शुल्क नहीं है, लेकिन यूरोपीय बाजारों में शुल्क ऊंचे बने हुए हैं। उन्होंने नायडू से इस मुद्दे को केंद्र के समक्ष उठाने और आम के गूदे पर जीएसटी को 12% से घटाकर 5% करने की मांग करने का अनुरोध किया।

जबलपुर में भौंकने से गुस्साए शख्स ने पांच पिल्लों को मार डाला, गिरफ्तार

जबलपुर/भाषा। मध्यप्रदेश के जबलपुर शहर में एक व्यक्ति ने भौंकने से नाराज होकर पांच पिल्लों को कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधारताल पुलिस थाने के प्रभारी पी के कुमरे ने संवाददाताओं को बताया कि राजेश दहिया को महाराजपुर इलाके में छोटे श्वानों को मारने के आरोप में बुधवार को गिरफ्तार किया गया।

अधिकारी ने कहा कि आरोपी ने पुलिस को बताया कि पिल्ले रात भर भौंकते रहते थे, जिससे पूरा इलाका परेशान रहता था। कुमरे ने कहा, ''हमें शिकायत मिली कि दहिया ने 30 जून की रात एक स्कूल के पास पांच से छह पिल्लों को लाठी डंडों से मार डाला है।'' उन्होंने कहा कुछ पशु कार्यकर्ताओं ने पुलिस के साथ इस कृत्य का एक वीडियो भी साझा किया। कुमरे ने कहा कि मृत पिल्लों में से एक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। दहिया से जब पशु कार्यकर्ताओं ने घटना के बारे में पूछा तो उन्होंने उनके साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया।

'हाइड्रोपोनिक गांजा' सरकार के लिए एक चुनौती साबित हो रहा है : फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'हाइड्रोपोनिक गांजा' सरकार के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज कर दी है। विधान परिषद में एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री ने 'सिंथेटिक ड्रग्स' पर भी चिंता जताई और कहा कि यहां तक कि कैंसर के मरीजों की आड़ में 'सिंथेटिक ड्रग्स' एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई के कारण मामलों की संख्या में वृद्धि हुई है। फडणवीस ने कहा कि यह पाया गया कि गुजरात के बंदरगाहों और महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में स्थित देश के सबसे बड़े कंटेनर बंदरगाह जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) का इस्तेमाल माल की खेपों में मादक पदार्थ छिपाकर लाने के लिए किया जा रहा था। उन्होंने कहा, ''गुजरात और महाराष्ट्र में ऐसे स्कैनर लगाए गए हैं जो छिपा कर लाए जा रहे मादक पदार्थों का पता लगा सकते हैं। ऐसे देशों से आने वाली खेप की औचक जांच की जा रही है, जहां से मादक पदार्थ तस्करी की आशंका है।''

डांट से नाराज घरेलू सहायक ने मालकिन और उसके बेटे की हत्या की

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के लाजपत नगर में डांट से नाराज एक घरेलू सहायक ने मालकिन और उसके किशोर बेटे की हत्या कर दी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बिहार के हाजीपुर निवासी आरोपी मुकेश (24) को उत्तर प्रदेश रेलवे पुलिस ने उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वह ट्रेन से भागने की कोशिश कर रहा था। यह मामला तब प्रकाश में आया जब बुधवार रात नौ बजकर 43 मिनट पर लाजपत नगर निवासी कुलदीप सेवानी की तरफ से पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) कॉल आई। पुलिस के अनुसार, सेवानी ने बताया कि उनकी पत्नी रुचिका (42) और 14 वर्षीय बेटा फोन नहीं उठा रहे हैं और उनके घर की सीढ़ियों पर खून के धब्बे हैं। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण पूर्वी) हेमंत तिवारी ने एक बयान में कहा, ''पीसीआर वाहन और जांच दल मौके पर पहुंचे जहां घर का मुख्य दरवाजा बाहर से बंद था। घर की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर खून के धब्बे मिले।'' उन्होंने कहा, ''पुलिस घर का दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई। रुचिका और उसके बेटे के शव घर के अंदर बरामद किए गए।''

सेना प्रशिक्षण कमान 2030 तक 33 विशिष्ट प्रौद्योगिकियां अपनाएगी: लेफ्टिनेंट जनरल

शिमला/भाषा। आधुनिक युद्ध में नई प्रौद्योगिकियों और ड्रोन की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सेना प्रशिक्षण कमान (आर्ट्रेक) के 'जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ' लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2030 तक 33 विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को अपनाया जाएगा।

इस संबंध में जारी एक बयान के अनुसार, शर्मा ने यहां आर्ट्रेक अलंकरण समारोह 2025 की अध्यक्षता करते हुए कहा कि सेना कमान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को अपनाएगी और विकसित करेगी, ताकि अभियानों के दौरान तेजी से परिणाम प्राप्त करने के लिए सीखने और प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में सुविधा हो।

उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में अनुसंधान एवं विकास, बुनियादी ढांचे के विकास और प्रशिक्षण में 390 करोड़ रुपए की राशि निवेश करने की योजना है। शर्मा ने कहा कि यह पहल भारतीय सेना को भविष्य के दृष्टिकोण से तैयार सेना में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

विशिष्ट प्रौद्योगिकियां विशिष्ट तकनीकी समाधानों, उपकरणों या नवाचारों को संदर्भित करती हैं, जो व्यापक उद्योग के अंतर्गत विशिष्ट, प्रायः सीमित उद्देश्यों या बाजारों के लिए तैयार की जाती हैं।

शर्मा ने कहा, ''15 प्रमुख प्रशिक्षण प्रतिष्ठान 33 विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए विशेषज्ञता केंद्र के रूप में विकसित हो रहे हैं और 2030 तक इन सभी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए एक व्यापक योजना विकसित की गई है।''

सरकार की 'चीनी गारंटी' की कोई 'एक्सपायरी डेट' नहीं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार की चीन से संबंधित नीति को लेकर सवाल खड़े किए और कटाक्ष किया कि इस सरकार की 'चीनी गारंटी' की कोई 'एक्सपायरी डेट' नहीं है।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रिय नरेन्द्र मोदी जी, खबरों के मुताबिक़, चीन ने भारत के विनिर्माण क्षेत्र से अपने अधिकारी वापस बुला लिए हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या ये सच नहीं कि 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पर पूरी तरह नाकाम मोदी सरकार ने डोकलाम और गलवान भूलकर चीनी कंपनियों के लिए 'लाल कालीन' बिछाया था और चीनी नागरिकों के लिए वीजा जारी करना आसान कर दिया था, ताकि पीएलआई योजना में फ़ायदा मिले?

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, क्या यह सच नहीं है कि मोदी सरकार इस पर कोई क़दम नहीं उठा रही और चीनी अधिकारियों ने भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग तक को आधिकारिक नियुक्ति या सहमति नहीं दी है? उनके मुताबिक, चीन ने पिछले दो महीनों में भारत को 'स्पेशलिटी' उर्वरक का निर्यात बंद कर दिया है, जबकि अन्य देशों को आपूर्ति जारी रखी है।

खरगे ने सवाल किया कि क्या इससे हमारे करोड़ों किसानों को नुकसान नहीं होगा, जो पहले से ही यूरिया और डीएपी खाद के संकट से जूझ रहे हैं? उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, आपकी सरकार की 'चीनी गारंटी' की कोई 'एक्सपायरी डेट' नहीं है। खरगे ने प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया, आपने 5 साल पहले, गलवान के 20 वीर सेनानियों के बलिदान के बाद, चीन को क्लीन चिट थमाई थी। आज चीन उसका भरपूर फ़ायदा उठा रहा है और ऐसा लगता है कि हम हाथ मलकर देख रहें हैं।

चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.4 से 6.7% की दर से बढ़ेगी : मेमानी

नई दिल्ली/भाषा। भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में मजबूत घरेलू मांग से 6.4-6.7 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष राजीव मेमानी ने बृहस्पतिवार को यह संभावना जताई। सीआईआई के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के बाद मेमानी ने अपने पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अच्छे मानसून का अनुमान और नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) एवं रेपो दर में कटौती से बढ़ी हुई तरलता जैसे कारक देश की आर्थिक वृद्धि का समर्थन करेंगे।

पिछले महीने आरबीआई ने सीआरआर में एक प्रतिशत कटौती की घोषणा करने के साथ मानक ब्याज दर रेपो में भी 0.50 प्रतिशत की कमी कर इसे 5.50 प्रतिशत कर दिया था। वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर के बारे में सीआईआई के पूर्वानुमान पर पूछे गए सवाल पर मेमानी ने कहा, ''हमें भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.4 से 6.7% की दर से बढ़ने की उम्मीद है।'' हालांकि, उन्होंने कहा कि इस वृद्धि की राह में कुछ स्पष्ट जोखिम हैं जिनमें से कुछ बाहरी व्यापार जोखिमों से संबंधित हैं। मेमानी ने कहा, ''मुझे लगता है कि उनमें से बहुत से कारकों को अपने आकलन में शामिल किया गया है और कुछ सकारात्मक पहलू भी हैं। इसलिए उम्मीद है कि वे संतुलित हो जाएंगे।

दिशा सालियान की मौत पर पुलिस के हलफनामे पर बोले आदित्य

बदनाम करने की कोशिश के बाद भी चुप रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। दिशा सालियान की मौत के मामले में विरोधी दलों द्वारा निशाना बनाए गए शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे ने बृहस्पतिवार को पुलिस के हलफनामे पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया जिसमें युवती की मृत्यु के संबंध में किसी भी तरह की आपराधिक साजिश से इनकार किया गया है।

ठाकरे ने कहा कि वह बदनाम करने के प्रयासों के बावजूद चुप रहे। हालांकि, उनके धुर विरोधी और महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने कहा कि सालियान को न्याय मिलेगा क्योंकि पिक्चर अभी बाकी है। सालियान की मौत आठ जून, 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में एक रिहायशी इमारत की 14वीं मंजिल से गिरकर हुई थी। इसके बाद शहर की पुलिस ने दुर्घटनावश मौत की रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज की थी। मुंबई पुलिस ने पिछले महीने मुंबई उच्च न्यायालय में एक हलफनामा प्रस्तुत किया था जिसमें कहा गया था कि सालियान ने आत्महत्या की थी और उनकी मौत के संबंध में कोई साजिश नहीं पाई गई है। उसने अपनी इच्छा से फ्लैट की खिड़की से छलांग लगा दी थी, और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शव पर यौन और/या शारीरिक हमले के किसी भी संकेत का उल्लेख नहीं है।

हालांकि, उनके पिता सतीश सालियान ने इस वर्ष मार्च में उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर अपनी बेटी की मौत की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने और शिवसेना विधायक आदित्य ठाकरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी। सालियान की याचिका में आरोप लगाया गया कि दिशा का बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई, तथा कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों को बचाने के लिए राजनीतिक रूप से साजिश रची गई।

पर्यावरण और वन संरक्षण पर मोदी सरकार का रिकॉर्ड भरोसे के लायक नहीं : रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार का अब तक का 'ट्रैक रिकॉर्ड' ऐसा नहीं रहा है कि उस पर पर्यावरण, वन संरक्षण और संबंधित मुद्दों पर पूरा ध्यान देने के लिए भरोसा किया जाए।

पूर्व पर्यावरण मंत्री ने कई नागरिक संगठनों और कार्यकर्ताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे गए हालिया पत्र का उल्लेख किया। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, हाल ही में 150 नागरिक संगठनों और कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर वन अधिकार अधिनियम, 2006 को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर करने में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की भूमिका पर गंभीर चिंता जताई है।

उन्होंने कहा, पत्र में पांच अहम बिंदुओं को रेखांकित किया गया है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री द्वारा दिए गए खुद के ऐसे बयान..., जिनमें वन अधिकार अधिनियम, 2006 को देश के प्रमुख वन क्षेत्रों के क्षरण और

नुकसान के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। उन्होंने कहा, वन अतिक्रमण को लेकर कानूनी तौर पर अपुष्ट आंकड़ों को लगातार संसद और राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के सामने पेश किया गया। जून, 2024 में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा देशभर के टाइगर रिजर्व से लगभग 65,000 परिवारों को बेदखल करने का आदेश दिया गया। उन्होंने पत्र का हवाला देते हुए दावा किया कि भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा पिछले एक दशक में वन क्षेत्र में आई गिरावट के लिए वन अधिकार अधिनियम को गलत तरीके से जिम्मेदार ठहराया गया।

रमेश ने कहा, 2023 में बिना पर्याप्त संसदीय चर्चा के पारित किया गया वन (संरक्षण) अधिनियम संशोधन और उसके तहत लागू किए गए 'वन संरक्षण एवं संवर्धन नियम, 2023' -का प्रतिकूल असर वनों पर पड़ा है।

उनके मुताबिक, ये सभी मुद्दे विशेष रूप से आदिवासी और वन क्षेत्रों में रहने वाले अन्य समुदायों के लिए अत्यंत अहम हैं, जिनकी आजीविका जंगलों पर निर्भर है तथा ये भारत की पारिस्थितिकीय सुरक्षा के लिए भी बेहद जरूरी हैं।

रमेश ने कहा, दुर्भाग्य से मोदी सरकार का अब तक का रिकॉर्ड यह भरोसा नहीं दिलाता कि इन महत्वपूर्ण सवालों पर कोई ध्यान दिया जाएगा और न ही उन समुदायों से संवाद किया जाएगा जिन्हें इन नीतियों के कारण सीधे नुकसान उठाना पड़ रहा है।

आषाढ़ शुक्ल - 9 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 334 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 04-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मानसून सत्र से पहले ओम बिरला ने कहा : व्यवधान पैदा नहीं करें पार्टियां

6 स्वामी विवेकानंद : विचारों के युगदृष्टा, युवाओं के पथप्रदर्शक

7 गुलामी से बेहतर है जेल की अंधेरी कोठरी : इमरान खान

फर्स्ट टेक

शिकागो में हुई गोलीबारी में कई लोग घायल : पुलिस

शिकागो/एपी। शहर में बुधवार रात को गोलीबारी हुई जिसमें कई लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसके अनुसार, गोलीबारी के बारे में कोई अतिरिक्त विवरण, गोली लगने से घायल हुए लोगों की संख्या और सटीक स्थान की जानकारी फिलहाल उपलब्ध नहीं है। शिकागो पुलिस विभाग के अधिकारी जूलियो गार्सिया ने कहा कि इस घटना से जुड़ी अद्यतन जानकारी मिलने पर जारी जाएगी। नॉर्थवेस्टर्न मेडिसिन के प्रवक्ता क्रिस किंग ने कहा कि आपातकालीन विभाग गोलीबारी में घायल हुए लोगों का उपचार कर रहा है। वह अस्पताल में भेजे गए पीड़ितों की संख्या और उनकी स्थिति से संबंधित कोई जानकारी नहीं दे सके।

क्रिप्टोकरेंसी प्रकरण में छह चीनी नागरिक सहित 52 आरोपी गिरफ्तार

काठमांडू/भाषा। नेपाल पुलिस ने राजधानी काठमांडू में चल रहे एक क्रिप्टोकरेंसी (आभासी मुद्रा) रैकेट का भंडाफोड़ कर छह चीनी नागरिकों सहित 52 लोगों को गिरफ्तार किया है जो इस मामले में कथित तौर पर संलिप्त थे। नेपाल पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार, किए गए छह चीनी नागरिक इस कथित क्रिप्टोकरेंसी और ऑनलाइन लेनदेन के मुख्य कर्ताधर्ता हैं। इनकी उम्र 25 साल से 42 साल के बीच है। नेपाल पुलिस के अपराधी अन्वेषण ब्यूरो ने गुप्त सूचना के आधार पर, ललितपुर के बलिफाल टोले और काठमांडू के चागल ताहाचल इलाके में दो घरों में छापे मारे और अपराध में कथित तौर पर संलिप्त छह चीनी नागरिकों तथा 46 नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया।

पाक वायु सेना प्रमुख ने अमेरिका की यात्रा की

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के वायु सेना प्रमुख जहीर अहमद बाबर सिद्धू ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और बढ़ाने के लिए अमेरिका की आधिकारिक यात्रा की। इससे पहले हाल ही में सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने भी अमेरिका का दौरा किया था। यह एक दशक से अधिक समय में किसी सेवारत पाकिस्तानी वायु सेना प्रमुख की पहली अमेरिका यात्रा थी, जो दोनों देशों के बीच सैन्य संबंधों में वृद्धि का संकेत है। वायु सेना ने बुधवार को एक बयान में कहा, ''पाकिस्तान वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू ने अमेरिका की आधिकारिक यात्रा की। यह एक दशक से अधिक समय में वायु सेना के किसी भी सेवारत प्रमुख की पहली यात्रा है। इससे द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और परस्पर हितों को बढ़ावा मिलेगा।'' इसमें कहा गया है कि जहीर ने अमेरिका यात्रा के दौरान देश के शीर्ष सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व के साथ कई महत्वपूर्ण बैठकें कीं।

मजबूत भारत अधिक स्थिर और समृद्ध विश्व के निर्माण में योगदान देगा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अक्रा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बदलती परिस्थितियों के मद्देनजर वैश्विक शासन व्यवस्था में विश्वसनीय एवं प्रभावी सुधारों पर जोर देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि एक मजबूत भारत अधिक स्थिर और समृद्ध विश्व के निर्माण में योगदान देगा।

घाना की संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'ग्लोबल साउथ' को आवाज दिए बिना प्रगति संभव नहीं है।

दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत विश्व का एक मजबूत स्तंभ है। एक मजबूत भारत अधिक स्थिर और समृद्ध दुनिया के निर्माण में योगदान देगा।''

भारत के सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि स्थिर राजनीति और शासन की नींव पर भारत जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी विश्व शासन व्यवस्था तेजी से बदल रही है।

भारत, घाना ने संबंधों को समग्र साझेदारी तक बढ़ाया; रक्षा क्षेत्र में संबंधों को बढ़ाने पर विचार

अक्रा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा द्वारा रक्षा, खाद्य सुरक्षा और औषधि सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार करने का संकल्प लिए जाने के साथ भारत और घाना ने अपने संबंधों को समग्र साझेदारी के स्तर तक बढ़ा दिया है।

बुधवार को महामा के साथ वार्ता के तुरंत बाद अपने मीडिया वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों पक्षों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है और भारत घाना की विकास यात्रा में सिर्फ साझेदार ही नहीं, बल्कि सह-यात्री भी है।

दोनों नेताओं के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक मोदी के पश्चिम अफ्रीकी देश की राजधानी पहुंचने के कुछ घंटे बाद हुई। मोदी पांच देशों की यात्रा के पहले चरण में घाना पहुंचे थे। दोनों नेताओं ने अपनी वार्ता में रक्षा सहयोग, खाद्य सुरक्षा और औषधि, विशेषकर टीकों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया।

मोदी और महामा के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने संस्कृति और पारंपरिक चिकित्सा समेत विभिन्न क्षेत्रों में चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

प्रधानमंत्री मोदी को घाना के राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया

अक्करा (घाना)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनकी ''प्रतिष्ठित शासनकला और प्रभावशाली वैश्विक नेतृत्व'' के लिए घाना के राष्ट्रीय सम्मान 'ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से सम्मानित किया गया। घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने प्रधानमंत्री मोदी को बुधवार को यह पुरस्कार प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' 'द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से सम्मानित होने पर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।''

विकसित भारत के लिए खनिजों में आत्मनिर्भर होना बुनियादी पहलू : जी किशन रेड्डी

नई दिल्ली/भाषा। कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बृहस्पतिवार को कहा कि खनिजों, खासकर महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों के मामले में आत्मनिर्भर बनना 'विकसित भारत 2047' के सपने को साकार करने के लिए बुनियादी पहलू होगा। रेड्डी ने कोयला और खान मंत्रालयों की सलाहकार समिति की बैठक में कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई), रोबोटिक्स और आधुनिक भू-भौतिकी सर्वेक्षण जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाकर खनिज अन्वेषण को मिशन की तरह लिया जा रहा है। कोयला मंत्रालय के बयान के अनुसार, मंत्री ने अन्वेषण प्रयासों में तेजी लाने और देश के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों के लिए खनिज सुरक्षा सुनिश्चित करने में निजी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया। रेड्डी ने कहा कि कोयला क्षेत्र ने हरित पहल और स्थिरता को आगे बढ़ाते हुए एक अरब टन से अधिक का घरेलू कोयला उत्पादन हासिल किया है। उन्होंने यह भी कहा कि खदानों को बंद करना एक राष्ट्रीय एवं नैतिक जिम्मेदारी है, जिसका उद्देश्य पारिस्थितिकी को बहाल करना और आजीविका के अवसर पैदा करना है। आजादी के बाद पहली बार पिछले साल 10 खदानों को सफलतापूर्वक बंद किया गया है, जबकि खान मंत्रालय के फास्ट-ट्रैक नजरिये के तहत 147 अन्य खदानों को शीघ्र बंद करने के लिए चिन्हित किया गया है।

पुतिन ने लक्ष्य पूरा होने तक यूक्रेन में युद्धविराम से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को अपने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर बातचीत के दौरान कहा कि सभी लक्ष्य हासिल होने तक यूक्रेन के खिलाफ सैन्य अभियान जारी रहेगा। क्रेमलिन के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

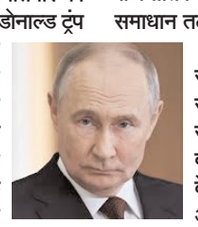

क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने दोनों राष्ट्रपतियों के बीच एक घंटे तक चली टेलीफोन वार्ता के बाद संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा कि मास्को जारी संघर्ष का कूटनीतिक समाधान तलाशना जारी रखेगा, लेकिन इसके मूल कारणों को अनदेखा नहीं करेगा।

उन्होंने बताया कि पुतिन ने लगभग साढ़े चार साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए जल्द से जल्द युद्धविराम समझौते की ट्रंप की अपील को अस्वीकार कर दिया। हालांकि, उन्होंने कीव के साथ राजनीतिक बातचीत के माध्यम से समाधान तलाशने की इच्छा जताई।

इसके बदले में, राष्ट्रपति ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति से यथाशीघ्र युद्ध समाप्त करने की अपील की। राष्ट्रपति पद संभालने के बाद से ट्रंप के साथ अपनी छठी टेलीफोन वार्ता में पुतिन ने उन्हें अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शुभकामनाएं दीं और कहा कि रूस की भी अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका थी।

उशाकोव ने कहा कि दोनों नेताओं ने अन्य मुद्दों के अलावा ईरान से संबंधित स्थिति के साथ-साथ पश्चिम एशिया के घटनाक्रमों पर भी चर्चा की।

कर्नाटक ने 4,134 सरकारी प्राथमिक स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम की कक्षाएं शुरू करने का फैसला किया

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक सरकार ने 4,134 सरकारी प्राथमिक स्कूलों में कन्नड़ और अन्य माध्यमों के साथ-साथ अंग्रेजी माध्यम की कक्षाएं शुरू करने का फैसला किया है। यह आदेश स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से लागू होगा। बुधवार को जारी एक आदेश में सरकार ने इसकी अनुमति दी। आदेश में कहा गया, ''राज्य के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में मौजूदा कन्नड़ और अन्य माध्यमों के साथ-साथ अंग्रेजी माध्यम (द्विभाषी माध्यम) की कक्षाएं शुरू करने की अनुमति दी गयी है जो शर्तों के अधीन होगी।''

अमरनाथ यात्रा

अमरनाथ यात्रा के तीर्थयात्रियों का पहला जत्था बृहस्पतिवार को बालटाल और नुनवान आधार शिविरों से दक्षिण कश्मीर के हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र गुफा मंदिर की ओर रवाना हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यात्रा सुबह-सुबह पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग और 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से शुरू हुई। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में पहलगाम स्थित नुनवान आधार शिविर और मध्य कश्मीर के गंदेरबल में सोनमर्ग स्थित बालटाल आधार शिविर से सुबह होते ही तीर्थयात्री पवित्र गुफा की ओर रवाना हुए। 'बम बम भोले' और 'हर हर महादेव' के जयघोष के साथ तीर्थयात्री रवाना हुए। उनके चेहरों पर आगे की कठिन यात्रा के बावजूद खुशी के भाव थे।

न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के प्रस्ताव पर जल्द ही सांसदों के हस्ताक्षर लिए जाएंगे : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रमुख विपक्षी दलों ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा को हटाने के प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है और इस संबंध में सांसदों के हस्ताक्षर कराने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू हो सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि यह प्रस्ताव लोकसभा में लाया जाएगा या राज्यसभा में।

लोकसभा के लिए कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर की आवश्यकता होती है। राज्यसभा के लिए कम से कम 50 सांसदों के समर्थन की आवश्यकता होती है उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा यह निर्णय लेने के बाद कि प्रस्ताव किस सदन में लाया जायेगा, हस्ताक्षर कराये जायेंगे।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चलेगा।

न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के अनुसार, जब किसी न्यायाधीश को हटाने का प्रस्ताव किसी भी सदन में स्वीकार कर लिया जाता है, तो अध्यक्ष या सभापति, जैसा भी मामला हो, तीन-सदस्यीय एक समिति का गठन करेंगे जो उन आधारों की जांच करेगी जिनके आधार पर न्यायाधीश को हटाने (महाभियोग) की मांग की गई है।

समिति में भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) या उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, 25 उच्च न्यायालयों में से किसी एक के मुख्य न्यायाधीश और एक ''प्रतिष्ठित न्यायविद'' शामिल होते हैं।

अगले दलाई लामा पर फैसला स्थापित संस्था करेगी, कोई और नहीं

नई दिल्ली/भाषा। अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगले दलाई लामा पर फैसला सिर्फ स्थापित संस्था और दलाई लामा लेंगे। उन्होंने कहा कि इस फैसले में कोई और शामिल नहीं होगा। यह दलाई लामा की ओर से अपने उत्तराधिकारी को लेकर की गई टिप्पणी पर सरकार के किसी वरिष्ठ पदाधिकारी की पहली प्रतिक्रिया है। इसे चीन के लिए झटके के रूप में देखा जा रहा है। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने बुधवार को कहा था कि दलाई लामा संस्था जारी रहेगी और केवल 'गादेन फोडरंग ट्रस्ट' को ही उनके उत्तराधिकारी को मान्यता देने का अधिकार होगा। रीजीजू ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि दलाई लामा बौद्धों के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण और निर्णायक संस्था हैं।

04-07-2025 सूर्यास्त 6:39 बजे | 05-07-2025 सूर्योदय 5:47 बजे

BSE	NSE
83,239.47	25,405.30
(-170.22)	(-48.10)

सोना	चांदी
10,014 रु.	119,575 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कथा अनंता...

दुश्मन के तेवर हुए नर्म,
सीमा पर घट रहा है तनाव।
दहशतगर्दों के वही मगर,
मनसूबे रँग-ढँग हाव-भाव।
है यही नियति हर घटना की,
ना कोई अंतिम है पड़ाव।
पुलवामा का दिल में अब तक,
है आज तलक भी हरा घाव।।

हमने डेढ़ साल में किए पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल से ज्यादा काम : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के उत्थान से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा उनके इसी सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार महिला, किसान, युवा व मजदूर इन चार जातियों के सशक्तीकरण के लिए निरंतर काम कर रही है, जिससे विकास का उजियारा हर वर्ग तक पहुंचे।

शर्मा गुरूवार को सवाई माधोपुर में बालेर (खंडार) के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहां का रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान जहां बाघों के लिए दुनियाभर में जाना जाता है, वहीं रणथंभौर का किला यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। सवाई माधोपुर के अमरूदों की अपनी विशेष पहचान है।

शर्मा ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से गरीब और वंचित वर्ग को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाकर उनके जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी अभियान का उद्देश्य है कि प्रशासन और जनता के बीच कोई खाई नहीं हो तथा कोई भी व्यक्ति विकास की मुख्य धारा से छूट ना जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में इन शिविरों से आमजन के भूमि संबंधी विवादों का समाधान, नर्सरियों से पौधों का वितरण, मृदा नमूनों का संग्रहण, मृदा स्वास्थ्य कार्डों का वितरण, मंगला पशु बीमा, पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड वितरण, गरीब परिवारों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं तथा एनएफएसए सहित कई लंबित प्रकरणों का निस्तारण हो रहा है। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर में इन शिविरों के माध्यम से अब तक सीमा ज्ञान के 410, रास्तों के 228, आपसी सहमति से बंटवारे के 161 प्रकरणों का निस्तारण कर स्वामित्व के 689 कार्ड वितरित, 33 हजार 414 पौधों के वितरण सहित विभिन्न जनहित के कार्य किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए कृत्संकल्पित होकर कार्य कर रही है। पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी, शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास, माही, नर्मदा सहित विभिन्न परियोजनाओं पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए, वहीं प्रदेश को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। हम युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने के लिए कृत्संकल्पित हैं तथा 5 साल में 4 लाख सरकारी व 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में प्रदेश में जो काम हुए, वो पूर्ववर्ती सरकार अपने पूरे 5 साल में भी नहीं कर पाई। हमने डेढ़ वर्ष में ही खेतों में 253.3 लाख मीटर की तारबंदी की, वहीं गत सरकार के 5 वर्षों में 113 लाख मीटर की तारबंदी ही की गई। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 29 हजार 343 हेक्टेयर की भूमि आवंटित की, जबकि गत सरकार में यह आंकड़ा 22 हजार 597 हेक्टेयर ही रहा। हमने डेढ़ साल में कुसुम-ए के तहत 646 तथा कुसुम-सी के तहत 2 हजार 91 एलओए किए, जबकि गत सरकार ने इनके तहत 489 तथा 57 एलओए ही किए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल में ही 32 हजार से अधिक किसानों को फार्म पौण्ड योजना के अंतर्गत अनुदान मिला, जबकि गत सरकार के समय यह आंकड़ा 29 हजार 430 ही था। उन्होंने प्रतिबद्धता जताई कि हमारी सरकार राज्य के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के विकास एवं उन्नयन के लिए काम कर रही है। खंडार विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए 350 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के शिवाड़ और बहरावण्डा खुर्द में 132 केवी जीएसएस की स्थापना, विभिन्न सड़कों का चौड़ाईकरण तथा बनास नदी रपट निर्माण सहित विभिन्न निर्माण कार्य करवाए जा रहे हैं। खंडार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उप जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नयन, राम जल सेतु परियोजना के तहत एनीकट निर्माण, पांचोलास से फलौदी सड़क मार्ग तथा आरसीसी कल्वर्ट ऑन कल्याणपुरा नाला विद अप्रोच सीसी रोड सहित विभिन्न निर्माण कार्य भी करवाए जाएंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 10 करोड़ रुपये की लागत से बालेर-करणपुर सड़क का निर्माण कराने की भी घोषणा की। इस दौरान मुख्यंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी प्रवीण बैरवा , श्रीमती सरोज , श्रीमती सम्पत्ति देवी , रामवीर मीना (स्वामित्व पट्टा) तथा श्रीमती मीना देवी (पीएम आवास योजना) को प्रमाणपत्र एवं चैक वितरित किए।

अजमेर में रामसेतु ब्रिज पर सड़क का एक हिस्सा धंसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान के अजमेर में रामसेतु ब्रिज पर गुरुवार सुबह सड़क धंस जाने का मामला सामने आया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इसकी सूचना पाकर निगम और यातायात पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए और सड़क धंसने से बने गडढे को मिट्टी के कट्टों से ढक दिया गया । रामसेतु पर सड़क का एक हिस्सा धंसने के इस मामले में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जांच के निर्देश दिए हैं।

देवनानी ने जिला कलक्टर लोक बन्धु से इस मामले में बात की और घटना की उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जांच कमेटी बना कर इस मामले की जांच की जाये और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही हो। उन्होंने कहा कि कमेटी जांच कर निर्धारित अवधि में अपनी रिपोर्ट दे।

पुलिस ने विदेशी महिला से दुष्कर्म मामले में आरोप पत्र दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उदयपुर में फ्रांस की एक पर्यटक के साथ कथित दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उदयपुर के जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि बुधवार को घटना के ठीक सात दिन के भीतर अदालत में आरोप पत्र पेश कर दिया गया है। गोयल ने एक बयान में बताया कि पुलिस स्थानीय अदालत में इस मामले की सुनवाई को अति शीघ्र पूर्ण कराने का प्रयास करेगी ताकि अभियुक्त को न्यायिक प्रक्रिया के तहत जल्द से जल्द सजा दिलाई जा सके।

उल्लेखनीय है कि 23 जून को एक फ्रांसीसी महिला ने बड़गांव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें उसने पुष्पराज ओझा उर्फ सिद्धार्थ नामक व्यक्ति पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धारा के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी और आरोपी पुष्पराज उर्फ सिद्धार्थ ओझा (29) को गिरफ्तार कर लिया था। पूछताछ के बाद उसे अदालत में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

राजस्थान में कई जगहों पर मूसलाधार बारिश से हुआ जनजीवन प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मानसून की बारिश का दूसरा दौर जारी है और बीते चौबीस घंटे में कई जगहों पर भारी से अत्यधिक भारी बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार इस दौरान चित्तौड़गढ़ जिले के बस्सी में सबसे अधिक 320 मिलीमीटर बारिश हुई। लगातार और भारी बारिश से कई जगह जनजीवन प्रभावित हुआ है। विभाग के अनुसार बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि में राजस्थान के लगभग सभी हिस्सों में बारिश हुई। कई जगह भारी से अत्यधिक भारी बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग ने बताया कि भीलवाड़ा में 20 सेंटीमीटर, चित्तौड़गढ़ के गंगरार में 16 सेंटीमीटर, अजमेर के जवाजा में 13 सेंटीमीटर, प्रतापगढ़ के अरनोद में 12 सेंटीमीटर, बांसवाड़ा के घाटोल में 10 सेंटीमीटर, कोटा में सात सेंटीमीटर बारिश हुई।

इसके अलावा डूंगरपुर, झालावाड़, राजसमंद, सवाई माधोपुर जिले में कई जगह पांच सेंटीमीटर से अधिक बारिश हुई। लगातार भारी बारिश से पूर्वी राजस्थान में कई जगह शहरों-कस्बों में निचले स्थानों पर जलभराव देखने को मिला जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग के जयपुर केंद्र के अनुसार पूर्वी राजस्थान के अधिकांश भागों में हल्की से मध्यम बारिश व कहीं-कहीं भारी बारिश का दौर अभी सप्ताहभर जारी रहने की संभावना है। वहीं पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भी आगामी दो-तीन दिन हल्की से मध्यम बारिश दर्ज होने, एक दो स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान है।

सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में पूरे मनोयोग से हो रहे प्रयास : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में पूरे मनोयोग से प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सहकारी आन्दोलन को गांव-गांव तक पहुंचाने के साथ ही सहकारिता के क्षेत्र में विभिन्न नवाचार किए जा रहे हैं, जिनसे बड़े स्तर पर आमजन लाभान्वित हो रहे हैं।

दक ने नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित राज्यों के सहकारिता मंत्रियों की राष्ट्रीय कार्यशाला में राज्य में सहकारिता क्षेत्र में हो रहे कार्यों एवं नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सहकारिता में सहकार के अंतर्गत राज्य में आगामी दिनों में केन्द्रीय सहकारी बैंकों की सेवाओं का शाखाओं के माध्यम से विस्तार किया जाएगा। 'म्हारो बैंक, म्हारो खातो' कार्यक्रम के तहत सहकारी बैंकों में सघन अभियान चलाकर डेयरी समितियों के खाते खोले जा रहे हैं। शीर्ष बैंक एवं जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों में अब तक 12 हजार 241 नये खाते खोले गए हैं, जिनमें 305 करोड़ की राशि जमा हुई है। अब तक 1,872 डेयरी समितियों को बैंक मित्र नियुक्त किया जा चुका है, जिन्हें निशुल्क माइक्रो एटीएम वितरित किए जाएंगे।

सहकारिता मंत्री ने बताया कि राज्य में शेष रही प्रत्येक ग्राम पंचायत में बहुउद्देशीय ग्राम सेवा सहकारी समिति का गठन किया जा रहा है। इसके लिए प्रावधानों में शिथिलता दी गई है। उन्होंने कहा कि गुजरात में सहकारिता क्षेत्र का प्रथम त्रिभुवन विश्वविद्यालय खुलने का लाभ राजस्थान को भी प्रत्यक्ष रूप से होगा। राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान (राइसेम) सहित अन्य संस्थाओं के इससे सम्बद्ध होने से, राज्य में सहकारिता क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी।

दक ने बताया कि राज्य में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत प्रदेश भर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही, सहकार से समृद्धि की पहलों को क्रियान्वित करने में भी राजस्थान अग्रिम पंक्ति में हैं।

गहलोत ने कानून व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कानून व्यवस्था को लेकर बुधवार को राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर निशाना साधा और कहा कि मुख्यमंत्री को कोरी बयानबाजी करने के बजाय कानून एवं चिकित्सा व्यवस्था में सुधार करने पर ध्यान देना चाहिए। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में मंगलवार को दिनदहाड़े एक महिला की तलवार से वार कर निर्मम हत्या कर दी गई। इस घटना की खबर साझा करते हुए गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा,'बांसवाड़ा की यह खबर राजस्थान की कानून एवं चिकित्सा व्यवस्था दोनों की पोल खोलने के लिए काफी है।

उन्होंने कहा कि एक तरफ आरोपी जेल से जमानत पर बाहर आकर पुनः खुले आम शिक्षिका की तलवार से हत्या कर देता है क्योंकि उसके मन में पुलिस का कोई खौफ नहीं है और लगभग 24 घंटे बीत जाने के बाद भी हमलावर पुलिस की पहुंच से बाहर है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरी तरफ घायल महिला को लेने एंबुलेंस इसलिए नहीं पहुंच सकी क्योंकि डीजल नहीं था और यदि एंबुलेंस समय पर पहुंच जाती तो शायद पीड़िता की जान बच जाती। गहलोत ने लिखा, मुख्यमंत्री जी, ये डेढ़ साल और पांच साल की कोरी बयानबाजी करने के बजाय आप कानून एवं चिकित्सा व्यवस्था में सुधार करने पर ध्यान दें जिससे निर्दोष लोगों की ऐसे जान न जाए।

राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी इस मुद्दे को लेकर 'एक्स' पर लिखा, प्रदेश में लगातार जिस प्रकार आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं, उससे साफ है कि भाजपा राज में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है, शासन मूकदर्शक बना बैठा है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

प्रदेश में ग्राम पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन

जयपुर/दक्षिण भारत। प्रदेश में वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार 1 जुलाई से 30 सितंबर तक देशव्यापी अभियान का सञ्चालन किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर तक बैंकिंग, बीमा एवं पेंशन जैसी जरुरी वित्तीय सेवाओं को आमजन की पहुँच तक सुलभ किया जा सकेगा।

इस सम्बन्ध में शुक्रवार को शासन सचिवालय में जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कुमार ने जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए कि अभियान के तहत राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के समन्वय से ग्राम पंचायत स्तर पर वित्तीय समावेशन योजनाओं से अधिक से अधिक संख्या में पात्र व्यक्तियों को जोड़ा जाए। उन्होंने कहा की अभियान के तहत संचालित शिविरों के माध्यम से प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत निष्क्रिय बैंक खातों का पुनः सत्यापन एवं नए बैंक खाते खोलना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना में अधिक से अधिक नामांकन को सुनिश्चित किया जाएगा। इसके साथ ही बैंक खातों से सम्बंधित होने वाली डिजिटल धोखाधड़ी की रोकथाम के विषय पर भी जागरूक किया जाएगा।

प्रदेश के हर पात्र व्यक्ति तक इन वित्तीय योजनाओं की पहुँच को सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने निर्देश दिए कि इन अस्थायी शिविरों के साथ-साथ डोर टू डोर कार्यक्रमों का भी सञ्चालन किया जाए। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत बैंकिंग एजेंसी, सरपंच,ग्राम विकास अधिकारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता, पटवारी, शिक्षक एवं अन्य राजकीय कार्मिकों की सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी सम्बंधित विभाग एवं बैंकिंग एजेंसी आपसी समन्वय से कार्य कर नवगठित जिलों को आशान्वित सहयोग करें। सम्बंधित विभागों एवं जिला कलेक्टरों द्वारा जन सुरक्षा पोर्टल के माध्यम से समय-समय पर अभियान की मॉनिटरिंग की जाए।

सप्त शक्ति कमान के कमांडर ने तनोट ब्रिगेड का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सप्त शक्ति कमान के सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने बृहस्पतिवार को सेना की तनोट ब्रिगेड एवं 'रसेल वाइपर्स' का दौरा किया। इस अवसर पर उन्हें संचालित विभिन्न ऑपरेशनल, प्रशिक्षण एवं प्रशासनिक पहलों की जानकारी दी गई। सप्त शक्ति कमान को दक्षिण पश्चिमी कमान भी कहते हैं। सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान सैन्य कमांडर ने सभी रैंकों द्वारा प्रदर्शित उच्चतम स्तर की पेशेवर दक्षता, समर्पण एवं संचालन तत्परता की सराहना की।

अपने इस दौरे के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने ब्रिगेड द्वारा उठाए गए भविष्योन्मुखी नवाचार प्रयासों पर विशेष ध्यान दिया जिनमें ड्रोन बुनियादी ढांचे का विकास, तकनीकी समावेशन के उपाय तथा एकीकृत स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना शामिल है।

इन पहलों ने परिचालनगत क्षमताओं के साथ-साथ सैनिक कल्याण को भी सशक्त किया है। इसके अनुसार सैन्य कमांडर ने सभी रैंकों के साथ बातचीत करते हुए उन्हें बदलती युद्ध प्रणाली के अनुरूप सदैव तैयार रहने हेतु प्रेरित किया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी रैंक अपने प्रशिक्षण मानकों की नियमित समीक्षा करें तथा युद्ध अभ्यासों, प्रौद्योगिकी, प्रक्रियाओं और अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाकर अपनी दक्षता में निरंतर सुधार लाएं।

उद्योग मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने बारिश के बीच जयपुर की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जयपुर। शहर में लगातार हो रही बारिश और संभावित जलभराव को देखते हुए राजस्थान के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आज गिरधारीपुरा पंपिंग स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जल निकासी, साफ-सफाई और आपदा प्रबंधन से जुड़ी तैयारियों की गहन समीक्षा की। कर्नल राठौड़ ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बारिश के मौसम में किसी भी क्षेत्र में जलभराव या नागरिकों को असुविधा न हो। उन्होंने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता जनसुरक्षा और जनसुविधा है, और इसके लिए राज्य सरकार हर स्तर पर सतर्क और सक्रिय है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पंपिंग स्टेशन सुचारु रूप से कार्य करें, नालों की नियमित सफाई हो और आपात स्थिति में राहत दल तत्पर रहें। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रदेश में बारिश से जनजीवन प्रभावित न हो और लोग सुरक्षित और सहज वातावरण में रह सकें। कर्नल राठौड़ ने दोहराया कि राज्य सरकार मानसून के दौरान जनता को हर संभव राहत देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

नेहरू सहकार भवन में लगी 'सहकारिता का सफर : अतीत से वर्तमान तक' विषय पर प्रदर्शनी का शुभारम्भ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल ने गुरूवार को नेहरू सहकार भवन में 'सहकारिता का सफर: अतीत से वर्तमान तक' विषय पर आयोजित प्रदर्शनी का फीता काटकर एवं गणेश प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ किया। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन कर प्रदर्शित की गई जानकारी की सराहना की।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस (5 जुलाई) एवं सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के चतुर्थ स्थापना दिवस (6 जुलाई) के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही गतिविधियों की श्रंखला में प्रचार अनुभाग द्वारा यह प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रदर्शनी में सहकारी आन्दोलन के अब तक के सफर को आकर्षक रुप में विस्तार से प्रदर्शित किया गया है। प्राचीन भारतीय लोकाचार में सहकारिता के बीज, विश्व में सहकारी आन्दोलन का शुभारम्भ, भारत में सहकारी आन्दोलन का शुभारम्भ, राजस्थान में सहकारी आन्दोलन का शुभारम्भ, राजस्थान में सहकारी विधि का विकास, राज्य में सहकारिता की त्रिस्तरीय संरचना, राज्य में शीर्ष सहकारी संस्थाओं का इतिहास एवं वर्तमान स्वरूप आदि से सम्बन्धित जानकारियों के साथ ही सहकारिता के सिद्धांत एवं उद्देश्य, सहकार से समृद्धि के अंतर्गत राज्य की प्रमुख उपलब्धियां, राज्य में सहकारिता का वर्तमान परिदृश्य एवं वर्तमान में सहकारिता की प्रासंगिकता आदि से संबंधित जानकारियां प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गई हैं। वहीं, राज्य में सहकारी आन्दोलन के विकास के जुड़े पुराने छायाचित्रों को भी प्रदर्शनी में आकर्षक रूप में प्रदर्शित किया गया है।

प्रदर्शनी में विभिन्न सहकारी संस्थाओं कॉनफेड, ट्राइफेड, इफको, कृभको एवं तिलम संघ द्वारा भी स्टॉल्स लगाकर अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। श्रीमती राजपाल ने इन स्टॉल्स का अवलोकन कर प्रदर्शित उत्पादों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने इस अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कर अधिक से अधिक पेड़ लगाने का संदेश दिया। इस दौरान सहकारिता विभाग एवं सहकारी संस्थाओं के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री की उदासीनता के चलते रेत की लूट मची है : एएनएस प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पत्रकारों पर हो रहे हैं हमले

चेन्नई। मुख्यमंत्री स्टालिन की उदासीनता रेत की लूट को बढ़ावा देती है, सिलम्बरासन जैसे पत्रकारों को खतरे में डालती है। आज जवाबदेही तय करने का समय है। न्याय और रेत माफिया के आतंक के शासन को समाप्त करने का समय। यह बात तमिलनाडु भाजपा प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने कही। उन्होंने मुख्यमंत्री स्टालिन से आग्रह किया कि बड़े पैमाने पर अवैध रेत खनन को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। सरकार को रेत माफिया अपराधियों के खिलाफ गुंडा अधिनियम लागू करना चाहिए, उनकी संपत्तियों को कानूनी रूप से

जब्त करना चाहिए और रेत लूटने के इस खतरे को समाप्त करना चाहिए। पत्रकार सिलम्बरासन, जिन पर रेत खनन पर रिपोर्टिंग करते समय रेत माफिया अपराधियों द्वारा क्रूरतापूर्वक हमला किया गया और उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई, न्याय के हकदार हैं। तमिलनाडु सरकार को उन्हें उनके जीवन की पूरी सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए।

सेलम जिले के वेल्लियामपट्टी इलाके में, लाल रेत चोरी की रिपोर्ट करने गए पत्रकार सिलम्बरासन पर रेत माफिया सदस्यों द्वारा क्रूरतापूर्वक हमला किया गया। उन्होंने उसे जान से मारने की धमकी दी, उसका कैमरा छीन लिया और केबल काट दी। तमिलनाडु सरकार को इन रेत माफिया गुंडों को तुरंत गिरफ्तार करना चाहिए, उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए वाहनों को जब्त करना चाहिए और गुंडा अधिनियम के तहत उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। इसके अलावा, हर जिले में रेत खनन को रोकने के लिए, मुख्यमंत्री स्टालिन को जिला कलेक्टरों और जिला पुलिस अधीक्षकों को उनके प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण के तहत अवैध रेत खनन कार्यों की निगरानी और कार्रवाई करने के आदेश जारी करने चाहिए। तमिलनाडु में चल रहे अवैध रेत खनन को नियंत्रित करने में विफलता के कारण, जल संसाधन विभाग और विभिन्न जिला प्रशासन के अधिकारी कानून की अवहेलना करते हुए और रेत माफिया का समर्थन करते हुए दंड से मुक्त होकर काम कर रहे हैं। इससे तमिलनाडु के मिट्टी के संसाधनों का गंभीर दोहन हुआ है।सरकार के भीतर भ्रष्ट अधिकारियों (ब्लैकशीप) की पहचान करने और उन्हें बर्खास्त करने के लिए एक व्यापक खुफिया जांच की जानी चाहिए जो इन गतिविधियों में शामिल हैं, और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

कोट्टायम में सरकारी अस्पताल का एक हिस्सा ढहने से एक की मौत, दो लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोट्टायम/भाषा। कोट्टायम के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का एक हिस्सा बृहस्पतिवार को ढहने से एक महिला की मौत हो गई और एक बच्चे सहित दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने यहां यह जानकारी दी। घटना में 11 वर्षीय लड़की और अस्पताल का एक कर्मचारी घायल हो गया, दोनों को आपातकालीन विभाग में भर्ती कराया गया। महिला को दो घंटे से ज़्यादा समय बाद मलबे से बाहर निकाला गया और उसे मृत घोषित कर दिया गया। बाद में उसकी पहचान थालयोलापरम्बु निवासी बिंदु के रूप में हुई, वह अपनी बेटी के इलाज के लिए अस्पताल में थी। घायल बच्ची की पहचान वायनाड के मीनांगडी की अलीना विंसेंट के रूप में हुई है। वह अपनी दादी के पास खड़ी थी, जिनका वार्ड 10 में इलाज किया जा रहा था।

वहीं अस्पताल के एक कर्मचारी अमल प्रदीप को निकासी के दौरान ट्रॉली की चपेट में आने से मामूली चोटें आईं। अधिकारियों ने बताया कि ढहा हुआ हिस्सा 'वार्ड 14' के 'बाथरूम कॉम्प्लेक्स' का हिस्सा था। अस्पताल प्राधिकारियों ने कहा था कि अस्पताल के इस हिस्से का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा था, हालांकि बाद में वहां खड़ी एक महिला ने दावा किया कि इसका उपयोग हो रहा था। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज और सहकारिता मंत्री वी एन वासवन इमारत ढहने की सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पहुंचे।

उन्होंने दावा किया कि जो क्षतिग्रस्त हिस्सा है वह शौचालय क्षेत्र था हालांकि इसका इस्तेमाल नहीं किया जाता था। वहां मौजूद एक महिला ने मंत्री के दावे को नकारते हुए कहा कि यह कोई अप्रयुक्त क्षेत्र नहीं है।

उसने पत्रकारों से कहा, ''किसी ने हमें वहां शौचालय इस्तेमाल नहीं करने के लिए नहीं कहा।'' विपक्षी दल कांग्रेस ने मंत्रियों पर दुर्घटना को कमतर दिखाने का आरोप लगाया।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कोट्टायम के विधायक तिरुवंचूर राधाकृष्णन ने एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा, ''यह जांचने से पहले कि मलबे के नीचे कोई फंसा है या नहीं, मंत्रियों ने घटना की गंभीरता को कम करने की कोशिश की।'' उन्होंने कहा, ''इससे गंभीर लापरवाही उजागर होती है। महिला को दो से ढाई घंटे बाद बाहर निकाला जा सका।'' कांग्रेस नेताओं ने बचाव अभियान शुरू करने में देरी का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लापता महिला के रिश्तेदारों द्वारा चिंता जताए जाने के बाद ही खोज अभियान गंभीरता से शुरू किया गया। मलबे की खोज के लिए अग्निशमन और पुलिस विभाग की बचाव टीमों को तैनात किया गया। एहतियात के तौर पर वार्ड 10, 11 और 14 से लगभग 100 मरीजों और उनके आसपास के लोगों को अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया गया।

मंत्री जॉर्ज और वसावन ने कहा कि छह वार्डों के मरीजों को नए बने सर्जिकल ब्लॉक में स्थानांतरित किया जाएगा और प्रभावित वार्ड को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजन खोबरागड़े भी मौके पर पहुंचे।

सांसद फ्रांसिस जॉर्ज, विधायक तिरुवंचूर राधाकृष्णन और चांडी ओमन सहित विपक्षी यूडीएफ नेताओं ने अस्पताल का दौरा किया।

महिला की मौत के बाद भाजपा ने स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के इस्तीफे की मांग की। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार लोगों की जिंदगी से खेल रही है और उन्होंने राज्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बढ़ती विफलताओं के लिए मंत्री को जिम्मेदार ठहराया। इस बीच, यूडीएफ ने घटना की न्यायिक जांच की मांग की है। यूडीएफ नेताओं ने कहा कि स्थिति से निपटने के तरीके में गंभीर खामियां थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि बचाव कार्य दो घंटे बाद ही शुरू हुआ और वह भी पीड़ित के रिश्तेदारों द्वारा चिंता जताए जाने के बाद ही।

उन्होंने अधिकारियों पर तुरंत कार्रवाई न करने का भी आरोप लगाया। घटना के बाद एहतियात के तौर पर लगभग 100 मरीजों को अन्य क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया गया।

घटनास्थल पहुंचे यूडीएफ नेताओं ने कहा कि घटना के तुरंत बाद अस्पताल पहुंचे दोनों मंत्रियों ने घटना की गंभीरता को कमतर आंकने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया कि अगर बचाव अभियान समय पर शुरू हो जाता तो महिला की जान बच सकती थी।

फर्जी वीजा मामले में आठ वर्ष से फरार आरोपी गिरफ्तार

चेन्नई। फर्जी वीजा मामले में करीब आठ वर्ष से फरार एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि फर्जी वीजा मामले में आरोपी सुंदर के फरार होने के बाद अधीनस्थ न्यायालय ने 20 सितंबर, 2017 को गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। चेन्नई पुलिस ने एक विज्ञप्ति में बताया कि लगातार प्रयासों के कारण सुंदर को नीलगिरी जिले के एक रिसॉर्ट से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने नौकरी का वीजा दिलाने के नाम पर 29 लोगों से कुल 18 लाख रुपये की ठगी की थी। पुलिस के मुताबिक, रुपये देने वाले लोगों को फर्जी वीजा मुहैया कराया गया और वर्ष 2006 में दर्ज हुआ यह मामला अदालत में लंबित है। इस मामले में 10 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया था।

प्रशासनिक मामलों में अक्षम है द्रमुक सरकार : डॉ. एल मुरुगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन ने गुरुवार को आरोप लगाया कि तमिलनाडु की द्रमुक सरकार प्रशासनिक मामलों में अक्षम है और वह प्रदर्शन कर रही जनता के खिलाफ पुलिस का इस्तेमाल कर रही है।

डॉ. एल मुरुगन ने कहा कि विरुधुनगर जिले के चिन्नाक्कमनपट्टी पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाके में 8 लोगों की मौत के बाद इलाके के लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पुलिस का इस्तेमाल कर निर्दोष लोगों को धमका रहे हैं।

डॉ. एल मुरुगन ने कहा कि विरुधुनगर एसपी ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें वे राहत के लिए प्रदर्शन कर रहे लोगों को धमका रहे हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ पब्लिसिटी स्टंट की राजनीति कर रहे हैं। डॉ. एल मुरुगन ने कहा कि पटाखा फैक्ट्री में दुर्घटनाएं

'स्टालिन पुलिस' निर्दोष लोगों को धमका रहे हैं

रोकने में असमर्थ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री केवल मृतकों के परिवारों को डराने के लिए पुलिस बल का प्रयोग कर सकते हैं।

मैं तमिलनाडु पुलिस की ऐसी कार्रवाई की कड़ी निंदा करता हूं। डॉ. एल मुरुगन ने कहा कि स्टालिन को नाटक की राजनीति छोड़कर मुख्यमंत्री के रूप में काम करने के लिए आगे आना चाहिए। तमिलनाडु के लोग उनसे बस यही उम्मीद करते हैं। अन्यथा, जब कल लोग वोट देने आएंगे तो वे एकजुट होकर इसी शैली में जवाब देंगे।

दो अलग-अलग मामलों में लंबे समय से फरार तीन आरोपी गिरफ्तार

चेन्नई। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) को भारी नुकसान पहुंचाने के मामले में करीब 20 साल से फरार दो लोगों और फर्जी वीजा मामले में करीब आठ साल से फरार एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। टेलीफोन बिलों का भुगतान न करके बीएसएनएल को 49 लाख रुपये का नुकसान पहुंचाने के आरोप में सैयद इब्राहीम और मोहम्मद ताहा यासीन हकीम के खिलाफ मामला दर्ज था और शहर की एक अदालत ने वर्ष 2006 में उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था, लेकिन वह इस मामले में फरार थे। बीएसएनएल मामला 26 मार्च 2003 को केंद्रीय अपराध शाखा-साइबर अपराध पुलिस थाने द्वारा दर्ज किया गया था।

शहर पुलिस द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि विशेष टीम ने दोनों के मूल निवास रामनाथपुरम जिले के कीलाकराई में पूछताछ की और चेन्नई में उनके ठिकाने का भंडाफोड़ किया तथा दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

फर्जी वीजा मामले के संबंध में सुंदर नाम का एक आरोपी फरार था और अधीनस्थ न्यायालय ने 20 सितंबर 2017 को उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

पुलिस ने बताया कि लगातार प्रयासों के कारण सुंदर को नीलगिरी जिले के एक रिसॉर्ट से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। ये मामला केंद्रीय अपराध शाखा के अंतर्गत था।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने नौकरी का वीजा दिलाने के नाम पर 29 लोगों से कुल 18 लाख रुपये की ठगी की थी। पुलिस के मुताबिक, रुपये देने वाले लोगों को फर्जी वीजा मुहैया कराया गया और वर्ष 2006 में दर्ज हुआ यह मामला अदालत में लंबित है। इस मामले में 10 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया था।

केसी वेणुगोपाल ने 'जानकी वर्सेस स्टेट ऑफ केरल' पर सुरेश गोपी की चुप्पी की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने फिल्म 'जानकी वर्सेस स्टेट ऑफ केरल' (जेएसके) को मंजूरी देने से इनकार करने के लिए बृहस्पतिवार को सेंसर बोर्ड की कड़ी आलोचना की और मामले पर चुप रहने के लिए, फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी पर निशाना साधा।

सूत्रों के अनुसार, फिल्म को प्रमाणन से इसलिए मना कर दिया गया क्योंकि इसमें मुख्य पात्र का नाम 'जानकी' (देवी सीता का दूसरा नाम) है। फिल्म में एक महिला की कहानी है जो यौन उत्पीड़न के बाद कानूनी लड़ाई लड़ती है। वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में लिखा, अभिनेता और केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी को हमने कई बार यह कहते सुना है कि सिनेमा उनके जीवन का उसी तरह अभिन्न हिस्सा है, जैसे रोज़मर्रा के भोजन में चावल ज़रूरी होता है। लेकिन जिस व्यवस्था का वह खुद हिस्सा हैं, वही उस चावल पर कीचड़ उछाल रही है और फिर भी वह चुप हैं। अलप्पुझा के सांसद ने अभिनेता से राजनेता बने गोपी से अपनी चुप्पी तोड़ने और अपनी फिल्म तथा साथी कलाकारों के पक्ष में बोलने का आग्रह किया।

वेणुगोपाल ने सेंसर बोर्ड पर कलात्मक स्वतंत्रता पर हमला करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, सेंसर बोर्ड का रुख अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बुनियाद पर ही प्रहार करता है। उन्होंने कहा, सिनेमा और

साहित्य में रचनाकारों को शीर्षक और नाम चुनने की संवैधानिक स्वतंत्रता है। इसे नकारना संविधान का अपमान है। वेणुगोपाल ने कहा कि राम, कृष्ण, सीता और राधा जैसे नामों का इस्तेमाल भारतीय फिल्मों में दशकों से किया जा रहा है और कई लोकप्रिय फिल्मों में भी इसी तरह के नाम रखे गए हैं। उन्होंने कहा, भारत में अधिकतर व्यक्तिगत नाम हिंदू पौराणिक कथाओं से लिए गए हैं।

वेणुगोपाल ने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकारों ने सेंसर बोर्ड को कभी भी इस तरह से काम करने की अनुमति नहीं दी, जिससे उसकी विश्वसनीयता कम हो। उन्होंने फिल्म और इसके निर्माताओं के प्रति पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। वेणुगोपाल ने कहा, मैं राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की लड़ाई में जानकी और उसके कलाकारों के साथ खड़ा हूं।

कांग्रेस नेता ने कहा, संकीर्ण मानसिकता की राजनीति के नाम पर कट लगाने वाले सेंसर बोर्ड के प्रत्येक सदस्य को संविधान और देश के इतिहास का अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने कहा, यहां तक ङ्कि मोहनलाल अभिनीत फिल्म 'एम्पुरान' में भी सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने के बाद कुछ दृष्य काटने पड़े। वेणुगोपाल ने कहा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस देश को कहां ले जा रही है? किस तरह का डर कलाकारों को अपनी ही कृतियों को सेंसर करने के लिए मजबूर कर रहा है?

उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार और संबंधित विभाग अपनी स्थिति स्पष्ट रूप से बताएं। उन्होंने कहा, मामले के अदालत में पहुंचने के बाद भी सरकार की लगातार चुप्पी संदिग्ध है।

एआईसीसी महासचिव ने आरोप लगाया, यह एक घोषित एजेंडा लगता है - भोजन, पहनावा, नाम और अब कला तक को नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है। केरल उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि वह सुरेश गोपी-अभिनीत फिल्म, जानकी वर्सेस स्टेट ऑफ केरल' (जेएसके) को पांच जुलाई को देखने के बाद ही तय करेगा कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के सुझाव के अनुरूप फिल्म का नाम बदला जाना चाहिए या नहीं।

कर्नाटक आईएएस अधिकारी संघ ने भाजपा एमएलसी रविकुमार पर कार्रवाई की मांग की

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक आईएएस अधिकारी संघ ने भाजपा एमएलसी और परिषद में विपक्ष के सचेतक एन रविकुमार द्वारा सरकार के मुख्य सचिव के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। मुख्य सचिव कर्नाटक में सर्वोच्च नागरिक पद पर हैं और अपनी ईमानदारी, प्रतिबद्धता और विशिष्ट सार्वजनिक सेवा के लिए जानी जाने वाली एक व्यापक रूप से सम्मानित अधिकारी हैं। सार्वजनिक रूप से की गई टिप्पणियां न केवल अश्लील और अपमानजनक हैं, बल्कि वे सीधे तौर पर उनके कार्यालय और बड़ी सिविल सेवा की गरिमा को भी कम करती हैं। आईएएस अधिकारियों के संघों ने कहा कि ऐसी टिप्पणियां न केवल सार्वजनिक संस्थानों को बदनाम करती हैं बल्कि उनमें मौजूद विश्वास को भी खत्म करती हैं। गौरव गुप्ता, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव, ऊर्जा विभाग, जल संसाधन; पंकज कुमार पांडे, आईएएस, प्रबंध निदेशक, केपीटीसीएल; खुशबू गोयल चौधरी आईएएस, एमडी केएसएसआईडीसी; और कावेरी बी.बी., आईएएस, सचिव, सरकार ने गुरुवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से मुलाकात की और आईएएस अधिकारी संघ की ओर से निंदा पत्र सौंपा।

बैठक

गुरुवार को बेंगलूरु में मुख्यमंत्री आवास 'कावेरी पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने देवनहल्ली चन्नरायपटना के किसानों के संघर्ष और मांगों को लेकर एक लंबी बैठक की। बैठक में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, कानून मंत्री एच.के. पाटिल, खाद्य मंत्री केएच मुनियप्पा, उद्योग मंत्री एमबी पाटिल, राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा और सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश के साथ पांच विभागों के शीर्ष अधिकारी मौजूद थे।

कांग्रेस ने देश और राज्य में एक अच्छी स्वास्थ्य व्यवस्था की नींव रखी : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, कांग्रेस सरकार लोगों की आंखों और दृष्टि संबंधी समस्याओं के इलाज के लिए आशा किरण योजना के माध्यम से 'विजन गारंटी' प्रदान कर रही है। उन्होंने गुरुवार को गोविंदराजनगर के एम.सी. लेआउट स्थित परमपूज्य डॉ. बालगंगाधरन स्वामीजी मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल में 'आशा किरण दृष्टि केंद्र' का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। साथ ही, उन्होंने योजना से लाभान्वित लोगों को मुफ्त चश्मे भी वितरित किए।

उन्होंने कहा, राज्य भर में 393 स्थानों पर आशाकिरण विजन सेंटर का उद्घाटन किया जा रहा है। चश्मे मुफ्त दिए जा रहे हैं। इससे लोगों को चश्मे सहित इलाज पर हजारों रुपये की बचत होगी। दिनेश गुंडू राव के नेतृत्व में वे स्वास्थ्य विभाग की कमान संभालने के बाद क्रांतिकारी और बेहतरीन कार्यक्रम दे रहे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार ने पिछले दिनों से देश और राज्य में अच्छी स्वास्थ्य व्यवस्था की नींव रखी है। कर्नाटक में 70 मेडिकल कॉलेज हैं। सबसे ज्यादा डॉक्टर तैयार करने वालों की सूची में कर्नाटक का नाम है। यहां से पढ़कर निकले लोग विदेश जाकर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, एसएम कृष्णा के समय में हमारी सरकार ने 'यशस्विनी' योजना के जरिए किसानों और गरीबों के स्वास्थ्य की मिसाल कायम की। इसे देखते हुए केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य योजनाएं शुरू कीं। हमारी सरकार गारंटी वाली सरकार है जो अपने वादे पर खरी उतर रही है। सरकार के दो साल पूरे होने के मौके पर हमने पांच गारंटी के साथ-साथ अपने लोगों को जमीन की गारंटी भी दी है।

गोविंदराजनगर विधानसभा क्षेत्र में बीबीएमपी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल को नया रूप देने के लिए विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रियकृष्णा सरकार पर दबाव बनाने का काम कर रहे हैं। इस अस्पताल में विभिन्न विभाग खोले जा रहे हैं और जनसेवा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा, वे बाजार दर का केवल 257 शुल्क ले रहे हैं। एमआरआई, सीटी स्कैन सेवा प्रदान करने की भी योजना है।

कार्यकाल पूरा करने को लेकर सिद्दरामय्या का बार-बार दावा कांग्रेस आलाकमान का सीधा अपमान : अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा नेता आर. अशोक ने बृहस्पतिवार को कहा कि कथित सत्ता-साझाकरण समझौते के बावजूद मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या द्वारा कार्यकाल पूरा करने के बारे में बार-बार दावा किया जाना कांग्रेस आलाकमान का सीधे तौर पर अपमान है। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि जब एक मौजूदा मुख्यमंत्री अपने स्थायी होने पर बार-बार जोर देता है और सुविधाजनक रूप से पार्टी की आंतरिक प्रतिबद्धताओं की अनदेखी करता है, तो यह विश्वास नहीं, बल्कि अवज्ञा है। इस वर्ष के अंत में सत्तारूढ़ कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच सिद्दरामय्या ने कहा था कि वह पूरे पांच साल तक पद पर बने रहेंगे।

अशोक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, (कांग्रेस) आलाकमान की इच्छा' का क्या हुआ? क्या कर्नाटक में उसका प्रभाव नाममात्र का रह गया है? या सिद्दरामय्या ने पार्टी अनुशासन से स्वतंत्रता की घोषणा कर दी है? उन्होंने कहा, 'सत्ता साझा करने के समझौते को दरकिनार कर और साथ में यह कहकर कि इसमें संदेह क्यों होना चाहिए', मुख्यमंत्री न सिर्फ कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की भूमिका को कमजोर कर रहे हैं, बल्कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की राजनीतिक साख को भी सार्वजनिक रूप से ठेस पहुंचा रहे हैं। खरगे ने सोमवार को कहा था कि नेतृत्व परिवर्तन जैसे मामलों पर निर्णय लेना पार्टी आलाकमान पर निर्भर है। अशोक ने कहा कि यदि कांग्रेस आलाकमान के पास कोई वास्तविक नियंत्रण होता तो वह अपने ही मुख्यमंत्री को आंतरिक व्यवस्था का इतनी बेशर्मी से उल्लंघन करने की अनुमति नहीं देता। उन्होंने कहा कि लेकिन फिर, हो सकता है कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री की कुर्सी का फैसला नेतृत्व और वफादारी से नहीं बल्कि लॉटरी और भाग्य से होता हो।

संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार

निविदा सूचना

संस्कृति मंत्रालय द्वारा 30 जून, 2025 को शुरू किए गए ज्ञान भारतम मिशन के लिए पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते हैं।

इच्छुक बोलीदाता विवरण eprocure.gov.in पर देख सकते हैं।

बोली जमा कराने की अंतिम तिथि 21 जुलाई 2025 है।

CBC 09101/11/0008/2526

सुविचार

राधा ने कृष्ण को कभी रोका नहीं, प्रेम में स्वतंत्रता का अर्थ वही जानती थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

घुसपैठियों के बुलंद हौसले

एक बांग्लादेशी नागरिक के निर्वासन के कुछ ही दिनों बाद दिल्ली आकर उसी इलाके में रहने की घटना से पता चलता है कि घुसपैठियों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। उन्हें भारत में किसी का डर ही नहीं है! उक्त बांग्लादेशी ट्रांसजेंडर एवं भिखारी पहली बार 15 मई को पकड़ी गई थी और स्वदेश भेज दी गई थी। वह 30 जून को दोबारा दिल्ली में पकड़ी गई। राष्ट्रीय राजधानी से देश चलता है, वहां शीर्ष नेता और मंत्री रहते हैं, हमारी तमाम बड़ी एजेंसियों के मुख्यालय हैं, दिल्ली पुलिस है ... इन सबके बावजूद बांग्लादेशी घुसपैठिए धड़ल्ले से घूम रहे हैं! अधिकारी कर क्या रहे हैं? बांग्लादेशी ट्रांसजेंडर के साथ 300 अवैध प्रवासी भी निर्वासित किए गए थे। क्या उनमें से किसी ने वापस आने की कोशिश नहीं की होगी? अगर कोई शख्स यहां से निकाले जाने के बाद दोबारा अवैध ढंग से देश में प्रवेश करता है और उसी जगह पर रहने के लिए आ जाता है तो इसका साफ मतलब है कि उसने सोच रखा है कि मेरे खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं होने वाली है। देश की आबादी पहले ही 140 करोड़ को पार कर चुकी है। अब इन अवैध बांग्लादेशियों का बोझ भी भारत उठाए! यह कड़वी हकीकत है कि सरकारी तंत्र के ढीले रवैए की वजह से बांग्लादेशी और तमाम अवैध प्रवासी यहां मौज उड़ा रहे हैं, वरना मज़ाल है कि कोई निकाले जाने के बाद वापस वहीं आकर डेरा डाल ले। इससे यह भी पता चलता है कि भारत सरकार जिन तौर-तरीकों पर अमल करते हुए इन अवैध प्रवासियों को निकालती है, वे कारगर साबित नहीं हो रहे हैं। अवैध प्रवासियों को बाहर कर देना ही काफी नहीं होता। उन्हें सबक भी मिलना चाहिए कि हिंदुस्तान की धरती पर दोबारा गलत तरीके से कदम रखा तो नतीजा अच्छा नहीं होगा।

कभी सोचा है कि बांग्लादेश, म्यांमार जैसे देशों से अवैध प्रवासी हमारे यहां ही क्यों आते हैं? ये चीन क्यों नहीं जाते? यहां ऐसा क्या आकर्षण है कि ये लोग अपना घर-द्वार छोड़कर भारत के किसी अनजान इलाके में रहने को तैयार हो जाते हैं? इसकी सबसे बड़ी वजह है- ये यहां आकर स्वच्छंद विचरण कर सकते हैं, जहां मर्जी हो झुग्गी बनाकर रह सकते हैं। इनका कोई रिकॉर्ड नहीं होता, इसलिए कई लोग अपराध करने लगते हैं। अगर फेरी लगाते या भीख मांगते हैं, तो बांग्लादेशी मुद्रा में अच्छी-खासी कमाई हो जाती है। ये मानकर चलते हैं कि भीड़ में घुलमिल जाएंगे, लिहाजा पकड़े जाने की आशंका कम होगी। भारत में इन्हें फर्जी आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र बनाकर देने वालों की कमी नहीं है। दो-चार साल रहने के बाद कुछ राजनीतिक दल इन्हें अपना वोटबैंक बनाने की कोशिशों में जुट जाते हैं। सरकारी दस्तावेजों में नाम जुड़वाने के बाद मुफ्त राशन, मुफ्त चिकित्सा और दूसरी सुविधाएं मिलने लगती हैं। अगर कभी पकड़े गए तो इनके 'अधिकारों की रक्षा' के लिए कुछ मशहूर वकील अदालत का दरवाजा खटखटा देते हैं। इतनी ज्यादा 'खातिरदारी' होगी तो घुसपैठिए क्यों नहीं आएंगे? जब ट्रंप ने अमेरिका से अवैध प्रवासियों को निकालना शुरू किया था तो सरकारी तौर-तरीकों को लेकर बहुत बहस छिड़ी थी, मानवाधिकार संगठनों ने खूब निंदा की थी। भारत सरकार उतना सख्त रुख न दिखाए, लेकिन कुछ ऐसे तरीके तो अपनाए, जिनसे घुसपैठिए हतोत्साहित हों। यह कोई असंभव काम नहीं है। केंद्र सरकार को दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाते हुए एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकालने का इंतजाम करना होगा। साथ ही, यह सुनिश्चित करना होगा कि वे दोबारा यहां अवैध तरीके से आने का दुस्साहस न करें।

ट्वीटर टॉक

कई नगर निकायों में बैठकों की कम संख्या चिंता का विषय है, यह लोकतंत्र की स्वस्थ परम्परा नहीं है। हम प्रयास करें कि नगर निकायों की बैठकें नियमित रूप से हो, पर्याप्त समय के लिए हो तथा उन बैठकों में शून्यकाल, प्रश्नकाल भी हो।

-ओम बिरला

सनातन संस्कृति में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व रखने वाली पावन 'अमरनाथ यात्रा' के शुभारम्भ पर समस्त शिवभक्तों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं मंगलमय बधाई! बाबा बर्फानी की असीम कृपा से सभी श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण हों।

-भजनलाल शर्मा

पवित्र अमरनाथ यात्रा के शुभारम्भ पर सभी श्रद्धालुओं एवं दर्शनार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं। बाबा अमरनाथ की यह यात्रा भारतीय संस्कृति में अति महत्वपूर्ण है, जो धार्मिक महत्त्व के साथ-साथ सांस्कृतिक एकता एवं सद्भावना का जीवन प्रतीक है।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

एकता की शक्ति

एक समय एक संत अपने अनुयायियों की एकता और अखंडता पर संगोष्ठी कर रहे थे। तब वहां उपस्थित एक व्यक्ति ने पूछा कि आप हमें संगठित रहने के लिए कह रहे हैं वो किस तरह संभव है? कृपया मुझे समझाएं। संत उसे बाहर ले गए और वहां बैठे हुए कुत्तों को पत्थर से डराने को कहा। उस व्यक्ति के पत्थर फेंकने से कुत्ते वहां से भाग गये। फिर संत ने आश्रम में लगे मधुमक्खी के छत्ते को पत्थर मारने के लिए कहा, उस व्यक्ति ने जैसे ही पत्थर उछाला वैसे ही बहुत सारी मधुमक्खियों ने उस व्यक्ति पर हमला बोल दिया। अब वह व्यक्ति डर के मारे अंदर की तरफ भागने लगा, तो संत ने कहा वत्स! तुमने देखा कि एकता में कितना दम है। एक तरफ तो कुत्ते असंगठित थे जो भाग गए और दूसरी तरफ मधुमक्खियां, जिन्होंने संगठित होकर तुम्हें भगा दिया। ध्यान रखो कि एकता में ही शक्ति है।

सामयिक

स्वामी विवेकानंद: विचारों के युगदृष्टा, युवाओं के पथप्रदर्शक

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

स्वामी विवेकानंद सदैव युवाओं के प्रेरणास्रोत और आदर्श व्यक्तिव के धनी माने जाते रहे हैं, जिन्हें उनके ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है। वे आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि थे और खासकर भारतीय युवाओं के लिए उनसे बढ़कर भारतीय नवजागरण का अग्रदूत अन्य कोई नेता नहीं हो सकता। 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में जन्मे स्वामी विवेकानंद अपने 39 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में समूचे विश्व को अपने अलौकिक विचारों की ऐसी बेशकीमती पूंजी सौंप गए, जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक समस्त मानव जाति का मार्गदर्शन करती रहेगी। विवेकानंद के बारे में कहा जाता है कि वे स्वयं भूखे रहकर अतिथियों को खाना खिलाते थे और बाहर ठंड में सो जाते थे। मानवता के वे कितने बड़े हितैषी थे, यह उनके इस वक्तव्य से समझा जा सकता है कि भारत के 33 करोड़ भूखे, दरिद्र और कुपोषण के शिकार लोगों को देवी-देवताओं की भांति मंदिरों में स्थापित कर दिया जाए और मंदिरों से देवी-देवताओं की मूर्तियों को हटा दिया जाए। विवेकानंद का व्यक्तित्व कितना विराट था, यह गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के इस कथन से स्पष्ट हो जाता है कि अगर आप भारत को जानना चाहते हैं तो आप विवेकानंद को पढ़िए। विवेकानंद का कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। युवा शक्ति का आव्हान करते हुए उन्होंने अनेक मूलमंत्र दिए।

वे एक ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिनकी ओजस्वी वाणी सदैव युवाओं के लिये प्रेरणास्रोत बनी रही। विवेकानंद ने देश को सुदृढ़ बनाने और विकास पथ पर अग्रसर करने के लिए हमेशा युवा शक्ति पर भरोसा किया। युवा वर्ग से उन्हें बहुत उम्मीदें थीं और युवाओं की अहम भावना को खत्म करने के उद्देश्य से ही उन्होंने अपने एक भाषण में कहा भी था कि यदि तुम स्वयं ही नेता के रूप में खड़े हो जाओगे तो तुम्हें सहायता देने के लिए कोई भी आगे नहीं बढ़ेगा। इसलिए यदि सफल होना चाहते हो तो सबसे पहले अपने अहम का नाश कर डालो। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। युवा शक्ति का आव्हान करते हुए उन्होंने एक मंत्र दिया था, 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत' अर्थात उठो, जागो और तब तक मत रूको, जब तक कि मंजिल प्राप्त न हो जाए।' ऐसा अनमोल मूलमंत्र देने वाले स्वामी विवेकानंद ने सदैव अपने क्रांतिकारी और तेजस्वी विचारों से युवा पीढ़ी को ऊर्जावान बनाने, उसमें नई शक्ति एवं चेतना जागृत करने और सकारात्कमता का संचार करने का कार्य किया।

युवा शक्ति का आव्हान करते हुए स्वामी विवेकानंद ने अनेक मूलमंत्र दिए, जो देश के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उनका कहना था, ब्रह्मांड की सारी शक्तियां पहले से ही

हमारी हैं। वो हम ही हैं, जो अपनी आंखों पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है। मेरा विश्वास युवा पीढ़ी में है, आधुनिक पीढ़ी से मेरे कार्यकर्ता आ जाएंगे। डर से भागो मत, डर का सामना करो। यह जीवन अल्पकालीन है, संसार की विलासिता क्षणिक है लेकिन जो दूसरों के लिए जीते हैं, वे वास्तव में जीते हैं। जो भी कार्य करो, वह पूरी मेहनत के साथ करो। दिन में एक बार खुद से बात अवश्य करो, नहीं तो आप संसार के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति से मिलने से चूक जाओगे। उच्चतम आदर्श को चुनो और उस तक अपना जीवन जीयो। सागर की तरफ देखो, न कि लहरों की तरफ। महसूस करो कि तुम महान हो और तुम महान बन जाओगे। काम, काम, काम, बस यही आपके जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। धन पाने के लिए कड़ा संघर्ष करो पर उससे लगाव मत करो। जो गरीबों में, कमजोरों में और बीमारियों में शिव को देखता है, वो सच में शिव की पूजा करता है। पृथ्वी का आनंद नायकों द्वारा लिया जाता है, यह अमोघ सत्य है, अतः एक नायक बनो और सदैव कहो कि मुझे कोई डर नहीं है। मृत्यु तो निश्चित है, एक अच्छे काम के लिए मरना सबसे बेहतर है। कुछ सच्चे, ईमानदार और ऊर्जावान पुरुष और महिलाएं एक वर्ष में एक सदी की भीड़ से अधिक कार्य कर सकते हैं। विश्व एक व्यायामशाला है, जहां हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं।''

11 सितम्बर 1893 को शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म पर अपने प्रेरणात्मक भाषण की शुरूआत उन्होंने मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों' के साथ की तो बहुत देर तक तालियों की गड़गड़ाहट होती रही। अपने उस भाषण के जरिये उन्होंने दुनियाभर में भारतीय अध्यात्म का डंका बजाया। विदेशी मीडिया और वक्ताओं द्वारा भी स्वामीजी को धर्म संसद में सबसे महान व्यक्तित्व और ईश्वरीय शक्ति प्राप्त सबसे लोकप्रिय वक्ता बताया जाता रहा। यह स्वामी विवेकानंद का अद्भुत व्यक्तित्व ही था कि वे यदि मंच से गुजरते भी थे तो तालियों की गड़गड़ाहट होने लगती थी। उन्होंने 1 मई 1897 को कलकत्ता में रामकृष्ण मिशन तथा 9 दिसंबर 1898 को कलकत्ता के निकट गंगा नदी के किनारे बेलूर में रामकृष्ण मठ की स्थापना की थी। 4 जुलाई 1902 को इसी रामकृष्ण मठ में ध्यानमग्न अवस्था में महासमाधि धारण किए वे चिरनिद्रा में लीन हो गए लेकिन उनकी कीर्ति युगों-युगों तक जीवंत रहेगी।

बोध कथा

आखिर में यह भी नहीं रहेगा

एक साधु देश में यात्रा के लिए पैदल निकला हुआ था। एक बार रात हो जाने पर वह एक गाँव में आनंद नाम के व्यक्ति के दरवाजे पर रुका। आनंद ने साधू की खूब सेवा की। दूसरे दिन आनंद ने बहुत सारे उपहार देकर साधू को विदा किया। साधू ने आनंद के लिए प्रार्थना की भगवान करे तू दिनों दिन बढ़ता ही रहे। साधू की बात सुनकर आनंद हँस पड़ा और बोला अरे, महात्मा जी! जो है यह भी नहीं रहने वाला। साधू आनंद की ओर देखता रह गया और वहाँ से चला गया। दो वर्ष बाद साधू फिर आनंद के घर गया और देखा कि सारा वैभव समाप्त हो गया है। पता चला कि आनंद अब बगल के गाँव में एक जमींदार के यहाँ नौकरी करता है। साधू आनंद से मिलने गया। आनंद ने अभाव में भी साधू का स्वागत किया। झोंपड़ी में फटी चटाई पर बिठाया। खाने के लिए सूखी रोटी दी। दूसरे दिन जाते समय साधू की आँखों में आँसू थे। साधू कहने लगा हे भगवान ! ये तूने क्या किया?

आनंद पुन: हँस पड़ा और बोला महाराज आप क्यों दु:खी हो रहे है? महापुरुषों ने कहा है कि भगवान इन्सान को जिस हाल में रखे, इन्सान को उसका धन्यवाद करके खुश रहना चाहिए। समय सदा बदलता रहता है और सुनो! यह भी नहीं रहने वाला। साधू मन ही मन सोचने लगा मैं तो केवल भेष से साधू हूँ। सच्चा साधू तो तू ही है, आनंद। कुछ वर्ष बाद साधू फिर यात्रा पर निकला और आनंद से मिला तो देखकर हैरान रह गया कि आनंद तो अब जमींदारों का जमींदार बन गया है। मालूम हुआ कि जिस जमींदार के यहाँ आनंद नौकरी करता था वह सन्तान विहीन था, मरते समय अपनी सारी जायदाद आनंद को दे गया। साधू ने आनंद से कहा अच्छा हुआ, वो जमाना गुजर गया। भगवान करे अब तू ऐसा ही बना रहे। यह सुनकर आनंद फिर हँस पड़ा और कहने लगा महाराज! अभी भी आपकी नादानी बनी हुई है। साधू ने पूछा क्या यह भी नहीं रहने वाला? आनंद उत्तर दिया हाँ! या तो यह चला जाएगा या फिर इसको अपना मानने वाला ही चला जाएगा। कुछ भी रहने वाला नहीं है और अगर शाश्वत कुछ है तो वह है परमात्मा और उस परमात्मा की वंश आत्मा। आनंद की बात को साधू ने गौर से सुना और चला गया। साधू कई साल बाद फिर लौटता है तो देखता है कि आनंद का महल तो है किन्तू कबूतर उसमें गुटरगूं कर रहे हैं, और आनंद का देहांत हो गया है। बेटियाँ अपने-अपने घर चली गयीं, बूढ़ी पत्नी कोने में पड़ी है। साधू कहता है अरे इन्सान! तू किस बात का अभिमान करता है? क्यों इतराता है? यहाँ कुछ भी टिकने वाला नहीं है, दु:ख या सुख कुछ भी सदा नहीं रहता। तू सोचता है पड़ोसी मुसीबत में है और मैं मौज में हूँ। लेकिन सुन, न मौज रहेगी और न ही मुसीबत।

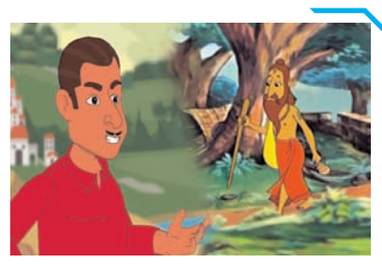

सदा तो उसको जानने वाला ही रहेगा। सच्चे इन्सान वे हैं, जो हर हाल में खुश रहते हैं। मिल गया माल तो उस माल में खुश रहते हैं, और हो गये बेहाल तो उस हाल में खुश रहते हैं।

साधू कहने लगा धन्य है आनंद! तेरा सत्संग, और धन्य हैं तुम्हारे सतगुरु! मैं तो झूठा साधू हूँ, असली फकीरी तो तेरी जिन्दगी है। अब मैं तेरी तस्वीर देखना चाहता हूँ, कुछ फूल चढ़ाकर दुआ तो मांग लूं! साधू दूसरे कमरे में जाता है तो देखता है कि आनंद ने अपनी तस्वीर पर लिखवा रखा है आखिर में यह भी नहीं रहेगा।

नजरिया

विस्तारवाद की चाहत में लगे विराम

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009415415

किसी भी विचार या मुद्दों से असहमती के प्रतिफल में हिंसा या क्रूरता नहीं की जा सकती। विचारों से असहमति और हिंसा के विरोध में प्रतिहिंसा समस्या का हल नही हो सकता है। सबसे ताजा क्रूर और हिंसात्मक परिणाम फिलिस्तीन-इजरायल युद्ध के रूप में सामने आया है। जिसमें 20000 लोगों की जान चली गई और 50000 लोगों से ज्यादा घायल मानवीय शरीर कराह रहे हैं। इसराइल ने फिलीस्तीन, हमास, लेबनान को तबाह कर दिया है आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह को नेस्तनाबूत करने की बात तो एक बार समझ में आती है पर लेबनान के 50 लाख लोगों को देश छोड़ने पर मजबूर कर देना तानाशाही का एक भयानक रूप ही दिखाई देता है। इसके बाद भी उसकी हिंसा की प्यास नहीं बुझी है और अमेरिका ईरान इजरायल युद्ध में अमेरिका ने युद्ध के सबसे बड़े हथियार रूपी हवाई जहाज से ईरान, ईरान के संग्रहण ठिकानों में हवाई हमला कर युद्ध का रौद्र रूप दिखाया इजरायल ईरान आपस में बैलिस्टिक मिसाइल से हमला कर एक दूसरे के महत्वपूर्ण ठिकानों को तबाह कर दिया है। दूसरी तरफ रूस-यूक्रेन युद्ध को 2 साल से ज्यादा समय हो चुका है इस युद्ध ने दोनों देशों के लाखों लोगों को बेघर कर दिया गया है और हजारों लोगों की जान चली गई है। दोनों देशों के अरबों रुपए इस युद्ध में खर्च हो चुके हैं यदि इस धनराशि का विकास के लिए मानव शांति के लिए उपयोग किया गया होता तो आज दोनों देशों में शांती के साथ विकास भी होता। नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अमेरिका को इजराइल का साथ न देने की स्पष्ट चेतावनी देकर कहा है कि यदि वह इजराइल फिलिस्तानी लेबनान ईरान युद्ध में बीच में आया तो उत्तर कोरिया अमेरिका पर परमाणु हमला कर देगा। जब तक विश्व में व्लादिमीर पुतिन, सी जिन पिंग, नेतन्याहू और किम जोंग-उन जैसे खून के प्यासे तानाशाह रहेंगे विश्व में शांति स्थापना की कल्पना करना नामुमकिन ही होगा। आज वैश्विक शांति में खलबली मची हुई है। धरती विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है। ऐसे में भारत जैसे शांतिप्रिय, निर्गुण देश को भी सावधान और सतर्क हो जाना चाहिए। उसके परंपरागत शत्रु चीन और पाकिस्तान भी हमेशा भारत की सीमा में घात लगाए बैठे रहते हैं और आक्रमण का खतरा भी सदैव बना रहता है। आइये भारत का एक रचनात्मक विश्लेषण करते हैं-: भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक, प्रजातांत्रिक स्वतंत्र राष्ट्र है। यहां वैचारिक चिंतन, प्रभुद्धता लोकतंत्र के प्रमुख अवयव होते हैं, राष्ट्र के किसी भी नीति में सहमत और असहमत होना एक सामान्य प्रक्रिया-

भारत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी ,बेरोजगारी ,नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता, भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भा मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा। किसी बात का विरोध हिंसा के बिगड़े स्वरूप की तरफ शासकीय संपत्ति को नष्ट करना देश हित में नहीं।

प्रतिक्रिया हो सकती है, और आम जनमानस का किसी मुद्दे पर आप सहमत होना भी एक सामान्य बात हो सकती है पर किन्ही भी परिस्थितियों में असहमति हिंसा के रूप में कतई बर्दाश्त के योग्य नहीं होनी चाहिए, विरोध का स्वरूप राष्ट्रीय संपत्ति की बर्बादी तो किसी भी काल और खंड में स्वीकार्य नहीं है। यह राष्ट्र के लिए घातक और विकास की अवधारणा को अवरुद्ध करने वाला आत्मघाती कदम है। आंदोलन का स्वरूप सदैव शांति पूर्वक हो तो राष्ट्र तथा आमजन के हित में ही होगा। आंदोलनकारियों को शायद यह गुमान नहीं है कि राष्ट्रीय सरकारी संपत्ति आपके द्वारा दिए गए टैक्स के रूप में रुपयों से ही निर्मित होती है, इसे नष्ट करके आप स्वयं अपनी संपत्ति का नुकसान ही कर रहे हैं। आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैं। देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया।

आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे पर स्वतंत्रता के 77 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

भारत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी ,बेरोजगारी ,नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता,भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भा मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा। किसी बात का विरोध हिंसा के बिगड़े स्वरूप की तरफ शासकीय संपत्ति को नष्ट करना देश हित में नहीं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अमरनाथ यात्रा

पहलगाम में गुरुवार को तीर्थयात्रियों का पहला जत्था पहलगाम में ननवान बेस कैंप से अमरनाथ गुफा के लिए रवाना होते समय धार्मिक नारे लगाता हुआ।

ट्रंप अन्य राष्ट्रपतियों की तरह नहीं, लेकिन क्या वह 'दूसरे कार्यकाल के श्राप' को खत्म कर सकते हैं?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैमिल्टन।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने विरोधियों को तीसरे कार्यकाल की संभावना जताकर छेड़ना पसंद करते हैं लेकिन उनके सामने पहले एक और ऐतिहासिक चुनौती है, जिसने कई राष्ट्रपतियों को परेशान किया है और वह है : 'दूसरे कार्यकाल का श्राप'।

अब तक अमेरिका के 21 राष्ट्रपतियों ने दूसरा कार्यकाल पूरा किया है, लेकिन कोई भी अपने पहले कार्यकाल की सफलता की बराबरी नहीं कर सका। दूसरे कार्यकाल के प्रदर्शन आमतौर पर फीके और प्रेरणाहीन रहे हैं। कुछ मामलों में तो विनाशकारी भी। इसके लिए मतदाताओं की असंतुष्टि और निराशा, राष्ट्रपति का थकान महसूस करना और भविष्य की स्पष्ट व स्थायी दूरदृष्टि की कमी जैसे कारण बताए जाते हैं।

लेकिन ट्रंप इस परिपाटी में पूरी तरह फिट नहीं बैठते। 19वीं सदी के अंत में ग्रोवर क्लीवलैंड एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति थे, जिनके दो कार्यकाल के बीच अंतराल था यानी कि पहले और दूसरे कार्यकाल के बीच कोई और राष्ट्रपति बना था। इसी वजह से 'ट्रंप 2.0' (ट्रंप के दूसरे कार्यकाल) की, दो कार्यकाल तक राष्ट्रपति रहे अन्य नेताओं से तुलना करना कठिन हो जाता है।

ट्रंप निश्चित रूप से यह चाहेंगे कि इतिहास ग्रोवर क्लीवलैंड के दूसरे कार्यकाल के श्राप को दोहराए नहीं। क्लीवलैंड ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही 50 प्रतिशत टैरिफ (शुल्क) लगा दिए थे, जिससे 1893 में वैश्विक बाजारों में भारी अस्थिरता फैल गयी थी।

उस समय यह अमेरिका के इतिहास की सबसे भयानक मंदी मानी गई थी : 19 प्रतिशत बेरोजगारी, अमेरिकी राजकोष से सोने की भारी निकासी, शेयर बाजार का ध्वस्त होना और व्यापक स्तर पर गरीबी फैलना।

एक सदी से भी अधिक समय बाद, ट्रंप अगर तेजी से काम करने का अपना रवैया दूसरे कार्यकाल में भी अपनाते हैं तो यह उन मतदाताओं को आकर्षित कर सकता है जो सबसे पहले कार्रवाई की मांग करते है। अब तक उन्होंने व्यापार युद्ध और सांस्कृतिक युद्ध लड़ते हुए पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष तक की स्थिति पर विचार किया है। उनका 'बिग ब्यूटीफुल बिल' राष्ट्रीय ऋण में खरबों डॉलर जोड़ देगा और संभवतः कई गरीब मतदाताओं, जिनमें कई रिपब्लिकन भी शामिल हैं, को 'मेडिकेड' जैसी स्वास्थ्य सेवाओं से बाहर कर सकता है। उनका यह कट्टरपंथी तरीका दूसरे कार्यकाल के ''श्राप'' को खत्म करेगा या उसी का शिकार बनेगा, यह अब भी एक सवाल है।

1951 में संविधान में 22वें संशोधन द्वारा दो कार्यकाल की सीमा लागू की गई थी। यह आशंका थी कि अधिकतम अवधि के बिना, एक निरंकुश नेता जीवन भर के लिए नियंत्रण करने की कोशिश कर सकता है, एक राजा की तरह (इसलिए हाल ही में अमेरिका में 'नो किंग्स' विरोध प्रदर्शन हुए)। जॉर्ज वाशिंगटन, जेम्स मैडिसन और थॉमस जेफरसन सभी ने तीसरे कार्यकाल के लिए इनकार कर दिया था। एक मिथक है कि जब फ्रैंकलिन डेलानो रूजवेल्ट ने शुरुआती राष्ट्रपतियों द्वारा निर्धारित दो कार्यकाल की वास्तविक सीमा को तोड़ा, तो जॉर्ज वाशिंगटन की आत्मा ने चार वर्ष से अधिक समय तक पद पर रहने वाले किसी भी व्यक्ति को श्राप दे दिया।

गुलामी से बेहतर है जेल की अंधेरी कोठरी : इमरान खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि वह गुलामी स्वीकार करने के बजाय जेल की अंधेरी कोठरी में रहना पसंद करेंगे। खान ने अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे आशूरा के बाद वर्तमान शासन के खिलाफ विद्रोह करें। आशूरा, पैगंबर साहब के पोते इमाम हुसैन की शहादत के शोक में मोहर्रम का 10वां दिन है। इस साल यह दिन छह जुलाई को है। खान ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, मैं पूरे देश, विशेषकर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के कार्यकर्ताओं और समर्थकों से आग्रह करता हूं कि वे आशूरा के बाद इस अत्याचारी व्यवस्था के खिलाफ उठ खड़े हों। खान ने कहा, मैं गुलामी को स्वीकार करने के बजाय जेल की एक अंधेरी कोठरी में रहना पसंद करूंगा। खान कई मामलों में लगभग दो वर्षों से जेल में हैं। खान ने कहा कि उनकी आवाज़ को हर तरीके से दबाने की कोशिश की जा रही है। सेना प्रमुख आसिम मुनीर पर टिप्पणी करते हुए खान ने कहा, जब कोई तानाशाह सत्ता में आता है, तो उसे लोगों के मतों की ज़रूरत नहीं होती वह क्रूर बल के ज़रिए शासन करता है।

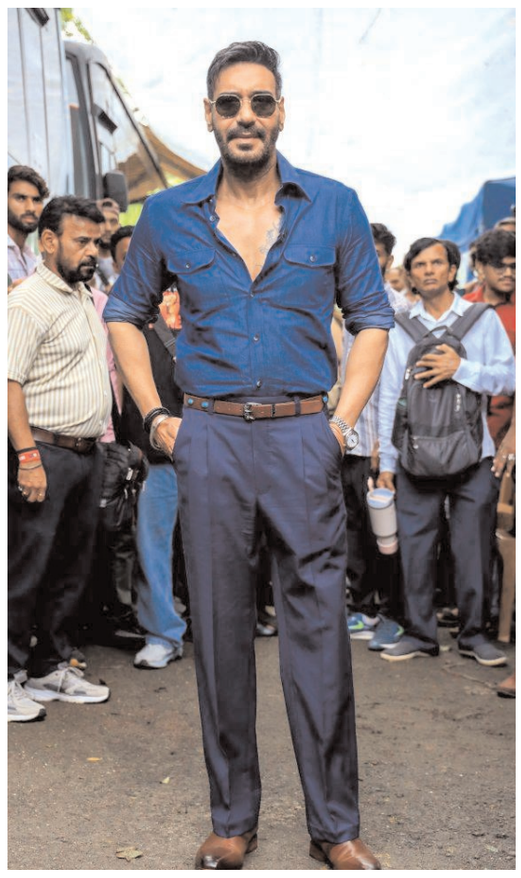

अभिनेता अजय देवगन गुरुवार को मुंबई में शूटिंग के दौरान 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' सीजन 3 के सेट पर।

आईटीआई लि. को ओडिशा और छत्तीसगढ़ से 88 करोड़ रु. के ऑर्डर मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/कटक/रायपुर। प्रमुख दूरसंचार विनिर्माण कंपनी आईटीआई लिमिटेड ने ओडिशा और छत्तीसगढ़ में लगभग 88 करोड़ रुपए के विभिन्न अनुबंध हासिल किए हैं। कंपनी को कटक विकास प्राधिकरण से ओडिशा में ट्रैफिक सिग्नल प्रणाली की स्थापना के साथ कटक के विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी सर्विलांस कैमरों की खरीद और इंस्टॉलेशन के लिए 54 करोड़ रुपए का अनुबंध मिला है। इस अनुबंध में कैमरों, सॉफ्टवेयर / एनालिटिक्स / एएनपीआर, हार्डवेयर आदि की खरीद शामिल है। इसके अलावा, अनुबंध में ट्रैफ़िक सिग्नल सिस्टम इंस्टॉलेशन के लिए टेक्नो-कॉमर्सियल तत्त्व भी शामिल हैं।

इसी तरह, कटक विकास प्राधिकरण से जीआईएस आधारित ऐप्लीकेशन के जरिए लैंड इंटेलीजेंस मैनेजमेंट सिस्टम के लिए 23.05 करोड़ रुपए का अनुबंध भी जीता है। इस अनुबंध में बिदानासी विकास परियोजना क्षेत्र के भीतर जीआईएस आधारित ऐप्लीकेशन के जरिए लैंड इंटेलीजेंस मैनेजमेंट सिस्टम का कार्यान्वयन और सीडीए योजना क्षेत्र में ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) टेक्नोलॉजी का उपयोग करके कटक विकास प्राधिकरण के लोकेशन-वाइज प्रॉपर्टी मैप का कार्यान्वयन शामिल है।

आईटीआई लि. को छत्तीसगढ़ इन्फोटेक प्रमोशन सोसाइटी (चिप्स) से छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में मंत्रालय और एचओडी भवन में डब्ल्यूएलएएन/एलएएन इन्फ्रास्ट्रक्चर के कार्यान्वयन / उन्नयन के लिए 11.72 करोड़ रुपए का अनुबंध मिला है।

इस अवसर पर आईटीआई लि. के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजेश राय ने कहा, 'हम ओडिशा और छत्तीसगढ़ सरकारों से ये नए अनुबंध प्राप्त कर बहुत खुश हैं, जहां कुशल नागरिक सेवाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकारों को उनके डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में सहायता करने में शामिल होंगे। आईटीआई लि. को अब राज्य सरकारों द्वारा उनकी ई-गवर्नेंस पहल को मजबूत करने के लिए सूचना एवं संचार टेक्नोलॉजी (आईसीटी) सेवाओं का संपूर्ण स्पेक्ट्रम उपलब्ध कराने के लिए विश्वसनीय भागीदार के रूप में देखा जा रहा है।' राय ने कहा, 'हमारी टीम हमेशा की तरह इन अनुबंधों पर काम करने के लिए बहुत उत्साहित और अत्यधिक प्रेरित है। मुझे विश्वास है कि हम उन्हें समय से पहले पूरा कर लेंगे। हमें उम्मीद है कि हमारा काम राज्य सरकारों को सर्वश्रेष्ठ ई-गवर्नेंस सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगा।'

मैं अपने काम पर गर्व करना चाहती हूं : प्रियंका चोपड़ा

लंदन/भाषा

पूरी दुनिया में मशहूर अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस ने कहा है कि वह अपने काम पर गर्व महसूस करना चाहती हैं और यही कारण है कि वह हमेशा सार्थक भूमिकाएं निभाने का प्रयास करती हैं। प्रियंका हॉलीवुड शो सिटाडेल के साथ-साथ बेवॉच, ए किड लाइक जेक, द मैट्रिक्स रिसरेक्शंस और लव अगेन जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से धूम मचा रही हैं। प्रियंका की ओटीटी मंच प्राइम वीडियो पर नई फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट आई है। यह एक एक्शन कॉमेडी फिल्म है, जिसमें वह हॉलीवुड सितारों इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ अभिनय करती हुई नजर आ रही हैं। लंदन में फिल्म के प्रीमियर के अवसर पर प्रियंका ने कहा कि वह हमेशा ऐसे किरदार निभाती हैं जो दिखावटी न हों। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मैं जो काम करती हूं, उस पर गर्व करना चाहती हूं। इसलिए मैं ऐसे किरदार निभाने की कोशिश करती हूं जिनमें क्षमता हो, जो मजबूत हों और जो फिल्मों में कुछ खास कर सकें, न कि दिखावटी हों।

प्रियंका ने कहा, मुझे यह फिल्म करने पर गर्व है क्योंकि यह मजेदार है... दुनिया एक मुश्किल जगह पर है और हमें हंसाने के लिए कुछ चाहिए। प्रीमियर कार्यक्रम में प्रियंका के पति एवं संगीतकार निक जोनस और उनकी चचेरी बहन एवं अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के साथ-साथ जॉन सीना भी शामिल हुए। फिल्म नोबडी से प्रसिद्ध इल्या नैशुल्लर द्वारा निर्देशित हेड्स ऑफ स्टेट में एल्बा ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की भूमिका निभाई है और सीना ने अमेरिकी राष्ट्रपति की भूमिका निभाई है।

जमीन धंसी

वाराणसी में गुरुवार को वाराणसी में बारिश से हुए नुकसान के बाद शिवपुर-बाबतपुर मार्ग पर सड़क का एक हिस्सा धंस गया।

संत तुकाराम के जन्मस्थान मंदिर में पहुंचीं शीना चौहान, फिल्म के लिए मांगा आशीर्वाद

मुंबई/एजेन्सी

अपनी बहुप्रतीक्षित हिंदी डेब्यू फिल्म 'संत तुकाराम' के प्रमोशन्स की शुरुआत करते हुए अभिनेत्री शीना चोहान ने 3 जुलाई को एक आध्यात्मिक सफर से इस नई यात्रा की शुरुआत की। फिल्म प्रमोशन्स से पहले शीना चोहान ने पुणे के पास स्थित देहू में संत तुकाराम महाराज मंदिर जाकर आशीर्वाद लिया। यह वही स्थान है जहाँ 17वीं सदी के महान संत-कवि संत तुकाराम का जन्म हुआ था। यह यात्रा इसलिए भी खास रही क्योंकि 3 जुलाई को शीना चोहान का जन्मदिन भी है। इस दिन को इतना विशेष बनाने के लिए शीना ने कहा, आज मेरा जन्मदिन है और इस पावन दिन की शुरुआत देहू जैसे पवित्र स्थान पर करके मैं खुद को बेहद धन्य मानती हूं। संत तुकाराम जी के मंदिर में जाकर प्रमोशन्स की शुरुआत करना मेरे लिए सबसे खास तोहफा है। मुझे इस ऐतिहासिक फिल्म में 'आवली जीजा बाई' का केंद्रीय किरदार निभाने का सौभाग्य मिला है यह किरदार समर्पण, साहस और भावना से भरपूर है। मेरा दिल कृतज्ञता से भर गया है। शीना ने आगे कहा: सबसे पहले, मैं संत तुकाराम महाराज को नमन करती हूं, जिन्होंने समाज को नई दिशा दी, हमारी संस्कृति को समृद्ध किया और लोगों को यह समझाया कि अगर आप दिल से किसी चीज़ पर विश्वास करते हैं, तो वह संभव है। इस विषय पर इतने भव्य स्तर पर पहली बार एक हिंदी फिल्म बन रही है और मैं इसका हिस्सा बनकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रही हूं।

महाराष्ट्र की धरती, इसकी संस्कृति और उन सभी संतों व पुरोहितों को मैं श्रद्धापूर्वक नमन करती हूं, जिन्होंने इसे समृद्ध बनाया। साथ ही मैं अपने निर्देशक आदित्य ओम सर और निर्माता गौतम जी की आभारी हूं, जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है यह मेरे लिए एक आत्मिक यात्रा है। 'संत तुकाराम', कर्ज़न फिल्म्स और पुरुषोत्तम स्टूडियोज़ के बैनर तले बन रही है और यह फिल्म 18 जुलाई 2025 को रिलीज़ होने जा रही है। फिल्म में सुबोध भावे संत तुकाराम की भूमिका में हैं, जबकि शीना चोहान फीमेल लीड के रूप में नज़र आएंगी। हाल ही में रिलीज़ हुए टीज़र ने पहले ही काफी चर्चा बटोरी है, और शीना की यह जन्मदिन पर मंदिर यात्रा इस फिल्म के प्रचार की एक भावनात्मक और आध्यात्मिक शुरुआत साबित हुई है।

'मालिक' मेरे लिए स्थापित छवि से बाहर निकलने का एक अवसर : राजकुमार राव

मुंबई/भाषा। अभिनेता राजकुमार राव का कहना है कि वह लंबे समय से अपनी स्थापित छवि से बाहर निकलने का अवसर तलाश रहे थे और यह मौका उन्हें अपनी आने वाली फिल्म 'मालिक' में एक गैंगस्टर की भूमिका के जरिये मिला। 'मालिक' 1980 के दशक के इलाहाबाद की पृष्ठभूमि पर आधारित एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जो महत्वाकांक्षा, सत्ता और अस्तित्व की कहानी बयां करती है। इसका निर्देशन 'भक्षक' फेम पुलकित ने किया है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर राव ने संवाददाताओं से कहा, एक अभिनेता को अपनी छवि तोड़ने के बहुत कम मौके मिलते हैं और मैं हमेशा ऐसे ही किरदारों की तलाश करता हूं, जैसा कि मैंने 'श्रीकांत' में किया था। अभिनेता के तौर पर हमेशा कुछ नया और चुनौतीपूर्ण करने की आकांक्षा रहती है। मुझे खुशी है कि 'मालिक' मेरे पास आई। इस फिल्म में काम कर मुझे बेहद आनंद आया। राव और निर्देशक पुलकित ने इससे पहले 2017 में वेब सीरीज 'बोस: डेड/अलाइव' में साथ काम किया था।

'शाहिद', 'न्यूटन', 'स्त्री' और 'श्रीकांत' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए प्रशंसा पा चुके राव ने उम्मीद जताई कि दर्शकों को फिल्म में उनका काम पसंद आएगा।

'वॉर 2' के प्रमोशन में एक-दूसरे से दूर रहेंगे ऋतिक और एनटीआर!

मुंबई/एजेन्सी

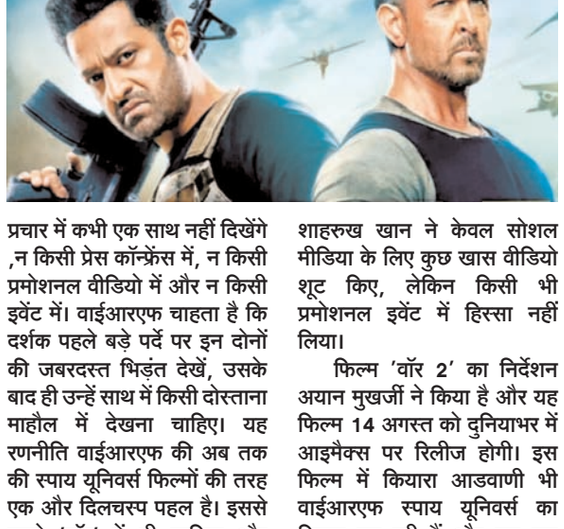

यशराज फिल्मस (वाईआरएफ) की फिल्म 'वॉर 2' के प्रचार में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर को एक-दूसरे से अलग रखा जायेगा। यशराज फिल्म्स ने हमेशा अपने स्पाई यूनिवर्स की फिल्मों के प्रचार के लिए अनोखी और दिलचस्प रणनीतियाँ अपनाई हैं। अब, बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वॉर 2' के प्रचार को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। कहा जा रहा है कि ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर को एक-दूसरे से अलग रखा जाएगा! 'वॉर 2' में पहली बार ऋतिक और एनटीआर एक साथ स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे, और दर्शकों के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण होने वाला है।

इस तीव्र टक्कर को प्रमोशन के दौरान भी बरकरार रखने के लिए वाईआरएफ ने तय किया है कि दोनों कलाकार कभी भी एक ही मंच पर नजर नहीं आएंगे। चर्चा है कि ऋतिक और एनटीआर फिल्म के प्रचार में कभी एक साथ नहीं दिखेंगे ,न किसी प्रेस कॉन्फ्रेंस में, न किसी प्रमोशनल वीडियो में और न किसी इवेंट में। वाईआरएफ चाहता है कि दर्शक पहले बड़े पर्दे पर इन दोनों की जबरदस्त भिड़ंत देखें, उसके बाद ही उन्हें साथ में किसी दोस्ताना माहौल में देखना चाहिए। यह रणनीति वाईआरएफ की अब तक की स्पाय यूनिवर्स फिल्मों की तरह एक और दिलचस्प पहल है। इससे पहले 'वॉर' में भी ऋतिक और टाइगर श्रॉफ पहली बार फिल्म की सक्सेस पार्टी में एक साथ नजर आए थे।

'पठान' के प्रचार के दौरान शाहरुख खान ने केवल सोशल मीडिया के लिए कुछ खास वीडियो शूट किए, लेकिन किसी भी प्रमोशनल इवेंट में हिस्सा नहीं लिया।

फिल्म 'वॉर 2' का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है और यह फिल्म 14 अगस्त को दुनियाभर में आइमैक्स पर रिलीज होगी। इस फिल्म में कियारा आडवाणी भी वाईआरएफ स्पाय यूनिवर्स का हिस्सा बन रही हैं और इस बार उनके सबसे खतरनाक अवतार की झलक देखने को मिलेगी। इस फिल्म को आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है।

मां का प्यार और जिम्मेदारी असल जीवन और टीवी पर एक जैसा : पद्मिनी कोल्हापुरी

मुंबई/एजेन्सी

दिग्गज अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरी ने मातृत्व की अहमियत के बारे में बात की। उन्होंने अपनी असली जिंदगी में मां होने के अनुभव को टीवी शो 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' में राजमाता के किरदार से जोड़ा। उन्होंने बताया कि मां का प्यार और जिम्मेदारी असली जीवन और टीवी के किरदार दोनों में एक जैसा है। पद्मिनी ने अपने बेटे प्रियांक के साथ रिश्ते के बारे में बात करते हुए बताया कि भले ही उनका बेटा अब बड़ा हो गया है, लेकिन मां होने का प्यार और भावनाएं पहले की तरह ही गहरी और मजबूत हैं। उन्होंने कहा, ''राजमाता का किरदार निभाना भावनात्मक और खास अनुभव रहा। मेरे किरदार को राजसत्ता की जिम्मेदारी और अपने बच्चे की ममता दोनों को साथ-साथ निभाना पड़ रहा है।''

उन्होंने कहा, ''जब मैं स्क्रीन पर राजमाता का किरदार निभाती हूं, तो मुझे असली जीवन में मां होने का अनुभव याद आता है। अपनी संतान की रक्षा करना, प्यार करना, त्याग करना, ये सभी भावनाएं मां के लिए बेहद खास होती हैं। भले ही उनका बेटा अब बड़ा हो गया है, लेकिन ये भावनाएं खत्म नहीं होतीं, बल्कि और बढ़ती जाती हैं। यह किरदार मेरे बेटे के बचपन की याद दिलाता है, जब मैं उसकी देखभाल करती थी, उसे समझाती थी। इस किरदार ने मुझे अपने मां बनने के सफर से और भी करीब जोड़ दिया है। राजमाता की ताकत प्यार और कोमलता में है, और यही हर मां की पहचान होती है।'' बता दें कि पद्मिनी कोल्हापुरे 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' के जरिए 11 साल बाद टीवी पर बड़ी वापसी कर रही हैं। अपनी वापसी को लेकर उन्होंने अपने बयान में कहा था कि टीवी पर लौटकर वह बेहद खुश हैं और राजमाता के किरदार को निभाने के लिए उत्सुक हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शुक्रवार | 04-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

प्राचीन सती प्रथा से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है विधवा प्रथा। इस प्रथा में जिंदगी भर महिला का तिरस्कार और उसकी उपेक्षा करके उसकी आत्मा को छलनी छलनी कर देते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म ग्रंथ में विधवा शब्द का उल्लेख नहीं है, ऐसे में उस विधवा महिला को नारकी जीवन जीने को मजबूर करना कहां का न्याय है? नारी को दूसरे नंबर का दर्जा देना, हीनभावना से देखना अपशगुन मानना, माता दुर्गा-सरस्वती-लक्ष्मी का अपमान करने के समान है। शील व्रत पालने वाली महिला किसी भी देवी से भी महान होती है।

गुरुवार को बेंगलूरु में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से मुलाकात करते हुए नीरज चोपड़ा

सबसे कठिन हिस्सा ट्रेनिंग है, बहुत कम समय मिलता है : नीरज चोपड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दोहरे ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनके नाम पर शुरू हुई अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता से पहले संगठनात्मक जिम्मेदारियों को निभाना और साथ ही अपनी व्यक्तिगत तैयारियों का प्रबंधन करना उनकी सबसे बड़ी चुनौती थी। नीरज चोपड़ा क्लासिक में शीर्ष स्तर के खिलाड़ी शनिवार को यहां कंटीरवा स्टेडियम में हिस्सा लेंगे। यह शीर्ष एथलीट पेरिस और चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा में प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिताओं के बाद इसमें हिस्सा ले रहा है।

ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक प्रतियोगिता 24 जून को जबकि पेरिस डायमंड लीग 20 जून को थी जिसमें इस भारतीय ने जीत हासिल की थी। कर्नाटक ओलंपिक संघ द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह के दौरान चोपड़ा ने कहा, ''सबसे कठिन हिस्सा ट्रेनिंग है। हमें ट्रेनिंग के लिए बहुत कम समय मिलता है। मैंने पेरिस और ओस्ट्रावा में प्रतिस्पर्धा की और फिर बेंगलुरु की यात्रा की। अब मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा। हमें सब कुछ एक साथ ही व्यवस्थित करना होता है।'' उन्होंने कहा, ''हमें सभी खिलाड़ियों से इस बारे में बात करनी होगी कि इसे कैसे बेहतर बनाया जाए। लेकिन सब कुछ ठीक चल रहा है। हम इसे संभाल लेंगे और प्रतिस्पर्धा भी करेंगे। लेकिन सबसे बड़ा लक्ष्य इस टूर्नामेंट को बड़ा बनाना है।''

चोपड़ा ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से भी मुलाकात की। 27 वर्षीय इस मौजूदा विश्व चैंपियन ने कहा कि इस तरह के बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए बेंगलूरु एकदम सही जगह है। उन्होंने कहा, मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। जिस तरह से तैयारियां चल रही हैं, मैं बहुत खुश हूं। मैं खेल विभाग, कर्नाटक ओलंपिक संघ, कर्नाटक सरकार को इतने कम समय में टूर्नामेंट आयोजित करने में मेरी मदद करने के लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने मेरी बहुत मदद की। बेंगलूरु में इसे आयोजित करने का सबसे बड़ा कारण यह है कि यहां मौसम अच्छा है।

12 खिलाड़ियों में सात विदेशी एथलीट और चोपड़ा सहित पांच भारतीय होंगे। चोपड़ा के अलावा चार भारतीय सचिन यादव, यशवीर सिंह, रोहित यादव और साहिल सिलवाल हैं। जर्मनी के 2016 ओलंपिक चैंपियन थॉमस रोहलर, कीनिया के 2015 विश्व चैंपियन जूलियस येगो, अमेरिकी कर्टिस थॉम्पसन, चेक गणराज्य के मार्टिन कोनेकनी, ब्राजील के लुइस मौरिसियो दा सिल्वा, श्रीलंका के रुमेश पथिरेज और पोलैंड के साइप्रियन मिर्जिगलोड विदेशी प्रतियोगी हैं। चोपड़ा और कुछ प्रतिभागियों ने कंटिरवा स्टेडियम में हल्की ट्रेनिंग की। विदेशी प्रतियोगियों में कोनेकनी, थॉम्पसन और रोहलर शामिल थे। चोपड़ा के कोच और विश्व रिकॉर्ड धारी जान जेलेजनी भी यहां पहुंच चुके हैं।

चेन्नई एयर कस्टम्स ने वन्यजीव और सोने की तस्करी के प्रयासों को विफल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई कस्टम्स की एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) ने थाई एयरवेज की फ्लाइट टीजी-337 से बैंकॉक, थाईलैंड से आए एक भारतीय पुरुष यात्री को रोका। यूनिट के अधिकारियों ने वन्यजीव तस्करी के संदेह में 1 जुलाई को लगभग 00:30 बजे यात्री को रोका। उसके चेक-इन ट्रॉली बैग की जांच करने पर, चॉकलेट और अन्य खाद्य पदार्थों के नीचे दो पालतू जानवरों के बैग छिपे हुए पाए गए। आगे की जांच में पालतू जानवरों के बैग के अंदर छिपे विभिन्न प्रजातियों के दो जीवित बंदरों की पहचान हुई, जिनकी पहचान एजाइल गिब्बन (हाइलोबेट्स एजिलिस) और एक पूर्वी ग्रे गिब्बन (हाइलोबेट्स फ्यूनेरस) के रूप में हुई। वैध प्राधिकरण के बिना ऐसे वन्यजीवों का आयात वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 यात्री को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 तथा वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया है, तथा उसे अलंदूर स्थित सीमा शुल्क के विशेष न्यायालय के न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यह जब्ती अवैध वन्यजीव व्यापार से निपटने और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के अनुसार लुप्तप्राय प्रजातियों की सुरक्षा करने में चेन्नई सीमा शुल्क की अटूट प्रतिबद्धता को उजागर करती है।

वहीं 30 जून को दोपहर 14.30 बजे विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर, चेन्नई कस्टम्स के एयर इंटेलिजेंस यूनिट के अधिकारियों ने चेन्नई एयरपोर्ट के कामराजर डोमेस्टिक टर्मिनल पर एक भारतीय पुरुष यात्री को रोका। यात्री दुबई-ढाका-कोलकाता-चेन्नई मार्ग से यात्रा कर रहा था, जो 30 जून को इंडिगो फ्लाइट 6ए 833 से चेन्नई पहुंचा था। पूछताछ के दौरान, यात्री ने अपने मलाशय में पेस्ट के रूप में सोना छुपाने की बात स्वीकार की। बाद में स्वैच्छिक निष्कासन के परिणामस्वरूप पारदर्शी लेटेक्स में लिपटे तीन मोटे बेलनाकार गेंदें बरामद हुईं। निकाले गए सोने का वजन 409 ग्राम था, जिसकी कीमत लगभग 38 लाख है। वहीं 1 जुलाई को रात्रि 23.29 में चेन्नई कस्टम्स के एयर इंटेलिजेंस यूनिट के अधिकारियों ने इंडिगो फ्लाइट 6ए 1004 से सिंगापुर से आए एक भारतीय पुरुष यात्री को रोका। उसके चेक-इन बैगेज को सोने और अन्य शुल्क योग्य वस्तुओं को छुपाने के संदेह में फिर से स्कैन करने के लिए चिह्नित किया गया था। दोबारा स्कैन करने पर, गियर शाफ्ट के भीतर एक बेलनाकार रॉड के अंदर सोना छुपाए जाने का संदेह था। निष्कर्षण और मूल्यांकन करने पर, 150 ग्राम वजन का सोना बरामद किया गया, जिसकी कीमत 13,85,746 थी।

2 जुलाई को रात्रि 01.25 बजे, चेन्नई कस्टम्स के एयर इंटेलिजेंस यूनिट (-खण) के अधिकारियों ने एक भारतीय पुरुष यात्री को रोका, जो इंडिगो फ्लाइट 6ए 1472 से दुबई से आया था। उसके चेक-इन बैगेज को सोने और अन्य शुल्क योग्य सामान छुपाने के संदेह में फिर से स्कैन करने के लिए चिह्नित किया गया था। पुनः स्कैनिंग से पता चला कि एक हेलिकल पिनियन गियर शाफ्ट के भीतर एक बेलनाकार रॉड के रूप में सोने को छुपाया गया था। निष्कर्षण और मूल्यांकन करने पर, 147 ग्राम वजन का सोना बरामद किया गया, जिसकी कीमत 13.58 लाख रुपए है।

साधु-संत धरा पर भगवान के जीवंत प्रतिनिधि हैं : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

गदग/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। गुरुवार को सुबह गदग नगरपालिका की सीमा में आचार्यश्री विमलसागरसूरीजी व अन्य सहयोगी संतों ने प्रवेश किया। इस मौके पर जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि हम कुछ लेने नहीं, बल्कि सद्विचारों का उपहार देने आए हैं। जैनाचार्य ने बताया कि भारत ऋषि और कृषि परंपरा की पवित्र भूमि है। यहां भोग-विलास की बातों को समाज ने कभी महत्व नहीं दिया। यहां हमेशा योग और धर्म-आध्यात्म की अनुगूंज जीवंत रही है। यही कारण है कि भारत समग्र विश्व को मार्गदर्शन देता था। लोग यहां कुछ सीखने आते थे, भारतीय मनुष्य कहीं बाहर नहीं जाता था। यदि कभी कोई भारतीय विदेश जाता था, तो वहां कुछ अच्छा देने और उनका उद्धार करने जाता था। भारत के डीएनए की यह विशिष्टता रही है। हम यह बतलाने और कुछ अच्छा सिखलाने आए हैं।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि साधु-संत इस धरा पर भगवान के जीवंत प्रतिनिधि हैं। भगवान से उनकी तुलना तो नहीं होती, लेकिन इस कलयुग में भी वे भगवान के अंश और वंश हैं। यदि प्रमाणिकता पूर्वक निरीक्षण करें तो हम पाएंगे कि त्यागी, योगी, साधु-संतों जैसा श्रेष्ठ-पवित्र जीवन कोई नहीं जीता। संसार में सर्वत्र ऐसा जीवन दुर्लभ है। साधु-संतों की बराबरी करना सरल नहीं है, जो अपना घर-बार छोड़कर संन्यास ग्रहण करते हैं, पैदल चलते हैं, निस्पृह जीवनयापन करते हैं, निर्धारित समय सीमित सात्विक भोजन ही ग्रहण करते हैं, कंचन कामिनी के वे परित्यागी होते हैं, केशलुंचन करवाते हैं, अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह के रूप में पांच महाव्रतों का परिपालन करते हैं और प्रसन्नता पूर्वक भूख, प्यास, गर्मी, सर्दी आदि कष्ट सहते हैं। कोई माने या न माने लेकिन यह सच है कि यह पृथ्वी भोग-विलास, हिंसा और पाप के बलबूते पर नहीं, बल्कि योग साधक साधु-संतों के पुण्यप्रताप से टिकी है। भारतीय संस्कृति और साहित्य का यही उद्घोष है।

डॉ. समकित मुनि का चातुर्मास प्रवेश कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गुरुदेव डॉ. समकितमुनिजी म.सा. के पावन सान्निध्य में शनिवार को अल्पाहार के पश्चात सुबह 8 बजे कोसापेट जैन भवन से विहार कर पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के प्रांगण मे पहुंचेंगे। चातुर्मास काल के कार्यों के लिए गुरु सुमति विशाल चातुर्मास समिति, चेन्नई 2025 की कार्यकारिणी की मीटिंग बुलाई गई। बैठक में मार्गदर्शक मोहनलाल गढ़वानी, अभय श्रीश्री माल, आनंदमल छल्लानी, सुगनचंद संकलेचा, धर्मीचंद सिंघवी, सुरेश लुणावत, भीकमचंद लुंकड, मदनलाल गुंदेचा, उत्तमचंद गोठी, सुदर्शन छल्लानी, धर्मीचंद कोठारी को मनोनीत किया गया।

चेयरमैन सुनील खेतपालिया, सह चेयरमैन महावीर बोकड़िया, अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा, कार्याध्यक्ष मीठालाल पगारिया, उपाध्यक्ष अजीत चोरड़िया, दीपचंद लूणिया, पदम कांकरिया, महावीर कातरेला, राकेश रांका, रमेश गुगलिया, अशोक गेलडा, ज्ञानचंद बोकडिया का चयन किया गया।

मंत्री विनयचंद पावेचा, कोषाध्यक्ष महावीर कोठारी के अलावा सहमंत्री संतोष पगारिया, महावीर पगारिया, राजकुमार चोरड़िया, गौतमचंद गुगलिया, तथा सहकोषाध्यक्ष सुरेन्द्र बोहरा, दिलीप मरलेचा, प्रसन्नराज सिंघवी, जेठमल चोरड़िया के अलावा भोजन व्यवस्था समिति, वैय्यावच्च व्यवस्था समिति, आवास निवास समिति, प्रवेश समिति, प्रचार प्रसार समिति, क्रय समिति, पंडाल व्यवस्था समिति, तपश्या एवं पारणा समिति, पार्किंग व्यवस्था समिति, जाप समिति का गठन कर सभी के चेयरमैन नियुक्त किए गए तथा करीब 50 कार्यकारिणी के सदस्यों की नियुक्ति हुई।

सहयोगी संघों के अलावा गुरु सुमति विशाल चातुर्मास समिति के महिला मंडल के सदस्यों समेत सभी पदाधिकारीगण सहित सभी सदस्य प्रवेश की तैयारियों में लगे हुए हैं। प्रवेश मे बेंगलूरु से 250 सदस्यों के अलावा हैदराबाद, मैसूरु, पूना, मुम्बई से भी अनेक अनुयायी पहुंच रहे हैं। अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा ने बताया कि 10 जुलाई से चातुर्मास प्रारंभ हो रहा है। मंच संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

दो अलग-अलग मामलों में लंबे समय से फरार तीन आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) को भारी नुकसान पहुंचाने के मामले में करीब 20 साल से फरार दो लोगों और फर्जी वीजा मामले में करीब आठ साल से फरार एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। टेलीफोन बिलों का भुगतान न करके बीएसएनएल को 49 लाख रुपये का नुकसान पहुंचाने के आरोप में सैयद इब्राहीम और मोहम्मद ताहा यासीन हकीम के खिलाफ मामला दर्ज था और शहर की एक अदालत ने वर्ष 2006 में उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था, लेकिन वह इस मामले में फरार थे।

बीएसएनएल मामला 26 मार्च 2003 को केंद्रीय अपराध शाखा-साइबर अपराध पुलिस थाने द्वारा दर्ज किया गया था। शहर पुलिस द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि विशेष टीम ने दोनों के मूल निवास रामनाथपुरम जिले के कीलाकराई में पूछताछ की और चेन्नई में उनके ठिकाने का भंडाफोड़ किया तथा दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। फर्जी वीजा मामले के संबंध में सुंदर नाम का एक आरोपी फरार था और अधीनस्थ न्यायालय ने 20 सितंबर 2017 को उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

पुलिस ने बताया कि लगातार प्रयासों के कारण सुंदर को नीलगिरी जिले के एक रिसॉर्ट से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। ये मामला केंद्रीय अपराध शाखा के अंतर्गत था। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने नौकरी का वीजा दिलाने के नाम पर 29 लोगों से कुल 18 लाख रुपये की ठगी की थी। पुलिस के मुताबिक, रुपये देने वाले लोगों को फर्जी वीजा मुहैया कराया गया और वर्ष 2006 में दर्ज हुआ यह मामला अदालत में लंबित है। इस मामले में 10 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया था।

नीट : मद्रास उच्च न्यायालय ने पुनः परीक्षा को लेकर आदेश के खिलाफ अपील खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यदि पुनः परीक्षा की अनुमति दी जाती है तो इससे 20 लाख से अधिक अभ्यर्थी बुरी तरह प्रभावित होंगे। इसलिए, हमें आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखता है। यह अपील खारिज की जाती है।

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने नीट की पुनः परीक्षा से इनकार किये जाने संबंधी एकल न्यायाधीश के आदेश के खिलाफ चिकित्सा अभ्यर्थियों के एक समूह की अपील को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया और कहा कि ऐसा कोई भी कदम 20 लाख से अधिक विद्यार्थियों को बुरी तरह प्रभावित करेगा।

उच्च न्यायालय ने परीक्षा का परिणाम घोषित करने पर रोक लगाने के अनुरोध वाली याचिकाओं को छह जून को खारिज कर दिया था जिससे राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा परीक्षा परिणाम जारी करने का रास्ता साफ हो गया था। एस साई प्रिया और 11 अन्य ने छह जून के आदेश के खिलाफ अपील दायर की थी।

इन याचिकाओं में प्रिया और अन्य विद्यार्थियों ने अनुरोध किया था कि चेन्नई के चार परीक्षा केंद्रों पर बिजली गुल होने के कारण जिन विद्यार्थियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, उनके लिए पुनः परीक्षा कराई जाए और तब तक परिणाम घोषित न किए जाएं। न्यायमूर्ति जे निशा बानू और न्यायमूर्ति एम जोतिरमन की खंडपीठ ने बृहस्पतिवार को अपील खारिज कर दी। पीठ ने कहा, ''इस बात पर ध्यान दिया जाना चाहिए कि परीक्षा की शुचिता विशेष रूप से मानवीय पर्यवेक्षण के माध्यम से सुनिश्चित की जाती है जिसमें केंद्र अधीक्षक, निरीक्षक, एनटीए द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक और समन्वयक की मौजूदगी शामिल है। इन सभी अधिकारियों ने जांच की और पुष्टि की कि परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की गई थी।''

इसने कहा कि एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति द्वारा सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया था और इसने उक्त केंद्र पर अभ्यर्थियों द्वारा हल किए गए प्रश्नों की औसत संख्या से संबंधित गुमनाम आंकड़ों के आधार पर विश्लेषण किया था और तिरुवल्लूर जिले के अन्य केंद्रों के साथ तुलना जिले के उन सभी केंद्रों में सांख्यिकीय रूप से तुलनीय है, जहां परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की गई थी। अदालत ने कहा, इस विश्लेषण में हल किए गए प्रश्नों की संख्या में सांख्यिकीय रूप से कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया, जिससे यह पुष्टि हुई कि कथित बिजली कटौती ने अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को भौतिक रूप से प्रभावित नहीं किया। इसके अलावा, नीट (यूजी) 2025 बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय परीक्षा है।

अदालत ने कहा, ''ऐसी परिस्थितियों में यदि पुनः परीक्षा की अनुमति दी जाती है तो इससे 20 लाख से अधिक अभ्यर्थी बुरी तरह प्रभावित होंगे। इसलिए, हमें आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखता है। यह अपील खारिज की जाती है।''

इन्फोसिस फाउंडेशन ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 48 करोड़ रुपए देगा

बेंगलूरु/नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस की सीएसआर (कंपनी सामाजिक जिम्मेदारी) इकाई इन्फोसिस फाउंडेशन कर्नाटक के ग्रामीण क्षेत्रों में मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा के लिए बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को मजबूत करने को 48 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान देगा। इन्फोसिस फाउंडेशन ने बृहस्पतिवार को इसके लिए संयुक्त राष्ट्र से मान्यता प्राप्त संगठन प्रशांति बालमंदिर ट्रस्ट के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की है। यह साझेदारी श्री मधुसूदन साईं इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एसएमएसआईएमएसआर) से संबद्ध श्री सत्य साईं सरला मेमोरियल अस्पताल को वंचित महिलाओं, शिशुओं और बच्चों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में सहायता करेगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इस पहल का उद्देश्य कर्नाटक के ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में सुधार करना है।

चेन्नई वॉलीबॉल डोटा फेडरेशन की नई कार्यकारिणी गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां चेन्नई वॉलीबॉल डोटा फेडरेशन की दूसरी साधारण सभा बैठक राजस्थानी एसोसिएशन कार्यालय में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। बैठक की शुरुआत प्रार्थना से हुई, जिसके बाद कमेटी सदस्य माणक चौधरी ने सभी सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया।

राजेश सुराणा ने विगत दो वर्षों में आयोजित पांच टूर्नामेंट एवं कमिटी बैठकों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

कानाराम चौधरी ने पिछले दो वर्षों का वित्तीय लेखा-जोखा पारदर्शिता के साथ सभी के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

साधारण सभा में सभी पहलुओं पर गहन चर्चा की गई और कमेटी द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की गई। आगामी दो वर्षों के लिए कोर कमेटी का चुनाव सर्वसम्मति से सम्पन्न हुआ, जिसमें पूर्व की पाँच सदस्यीय टीम को दोबारा चुना गया और दो नए सदस्यों को भी शामिल किया गया। नई कोर कमेटी निम्नानुसार है राजेश सुराणा, कानाराम चौधरी, राणाराम पटेल, अभिनंदन बोथरा, माणक चौधरी, तरुण बोथरा (नवचयनित) पिंटू राजपुरोहित (नवचयनित)। नाथूराम सीरवी ने आगामी टूर्नामेंट की घोषणा की, जो 31 अगस्त को सीरवी स्पोर्ट्स क्लब की मेजबानी में आयोजित किया जाएगा। बैठक का संचालन अभिनंदन बोथरा ने किया और राणाराम पटेल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

उन्माद हिंसा को जन्म देता है : राष्ट्रसंत कमल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के केएलपी जैन स्थानक में राष्ट्रसंत कमल मुनिजी 'कमलेश' ने सभा संबोधित करते कहा कि उन्माद में व्यक्ति विवेक शून्य होकर बड़े से बड़ा अनर्थ करने में गर्व महसूस करता है, यह सबसे बड़ा पाप है। उन्होंने कहा कि धर्मात्मा में जब उन्माद का भूत सवार होता है वह शैतान और राक्षस के बराबर हो जाता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक उन्माद अत्यंत खतरनाक है। आतंकवाद का निर्माता है। उस मद में अंधा बना हुआ अपने और पराए का उसको किसी प्रकार का ध्यान नहीं। राहत है अंधेरा और प्रकाश एक साथ नहीं रह सकते हैं वैसे उन्माद और धार्मिकता एक जीवन में एक साथ नहीं रह सकते।

मुनि कमलेश ने बताया कि शराब आदि नशे का उन्माद तो थोड़े समय बाद उतर जाता है लेकिन धर्म, जाति, भाषा, धन, पद और प्रतिष्ठा के उन्माद का नशा खतरनाक शत्रु जो जन्म जन्मांतर को बर्बाद कर देता है राष्ट्र संत ने कहा कि उन्माद अपने आप में हिंसा की जननी है। आत्मा के साथ कर्मों का बंधन विचारों को शातिर और शरीर को असाध्याय रोगों का शिकार बनाता है। जैन संत ने कहा कि वर्षों के प्यार और प्रेम के संबंध को उन्माद एक पल में नष्ट करके नफरत बदल देता है। घनश्याम मुनिजी, कौशल मुनिजी ने मंगलाचरण किया। अक्षत मुनिजी और सक्षम मुनिजी ने विचार व्यक्त किए। पार्षद राजेश जैन 'रंगीला' के नेतृत्व में मुख्यमंत्री स्टालिन की ओर से राष्ट्र संत कमल मुनि जी कमलेश का अभिनंदन किया।

FINANCE & WORKING PARTNER WANTED
Wanted Finance and Working Partner for transportation and Logistics Business,
Operating PAN India basis, Office at Chennai, Good returns assured.
Vardhmaan Logistics Pvt Ltd
Contact- Vimal Kumar Sethi
7845045767 / 9500202277

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.